• जयपुर, सोमवार 10 अगस्त 26 • वर्ष 15 • अंक 282 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

हर घर तिरंगा अभियान

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री ने किया तिरंगा रैली का शुभारंभ

अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक रैली में हुए शामिल

तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि हमारी आन, बान और शान

तिरंगे के सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हमारा दायित्व : केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा

चमकता राजस्थान

जयपुर। केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अल्बर्ट हॉल से 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत राज्य स्तरीय तिरंगा रैली का शुभारंभ किया। अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक रिमझिम वर्षा के मध्य निकली इस रैली में केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए। यात्रा के दौरान शहरवासियों ने कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर रैली का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने तिरंगा रैली को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान, शान और करोड़ों देशवासियों की भावनाओं का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आ''ान पर वर्ष 2022 में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत देशवासियों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराकर विविधता में एकता और राष्ट्रीय अखंडता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के दिल में बसना चाहिए और इसके सम्मान एवं गौरव की रक्षा करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों

के सम्मान को और मजबूत करने की दिशा में 'प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर्स अमेंडमेंट एक्ट, 2026' महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रीय ध्वज और संविधान भारत की शान हैं तथा इनके अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने देशवासियों से वीर सपूतों की कुर्बानियों से प्राप्त आजादी और तिरंगे की गरिमा को सदैव बनाए रखने का आ''ान किया।

हर घर लहराता तिरंगा देश के लिए प्रेम एवं समर्पण की अभिव्यक्तिः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

तिरंगा यात्रा नई पीढ़ी में राष्ट्र भावना को मजबूत करने का माध्यम

● **तिरंगा हमारे स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारे स्वाभिमान, राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव के तहत प्रारंभ की गई तिरंगा यात्रा जन-जन के अभियान के रूप में नई पीढ़ी में राष्ट्र भावना को सशक्त करने का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एकता के सूत्र में बांधने का काम किया है। हर घर लहराता हुआ तिरंगा राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। लेकिन यह सम्मान हमारे घरों के साथ ही हमारे दिलों में भी होना चाहिए। इसकी सार्थकता इसी में है कि हम राष्ट्रीय चेतना के आदर्श और मूल्य को अपने जीवन में भी उतारें।

● **शहीदों को किया नमन**

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर शहीदों को नमन किया। उन्होंने पुष्पचक्र अर्पित कर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद मदन राठौड़ ने तिरंगा यात्रा में शामिल होने पर सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

त्याग और तपस्या से हमारे हाथों में आया तिरंगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष देश 15 अगस्त को स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मनाने जा रहा है। यह दिवस देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर है। उनके त्याग और तपस्या के फलस्वरूप ही आज हमारे हाथ में यह तिरंगा है। उन्होंने कहा कि तिरंगा संविधान के आदर्श, एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगे का राजस्थान से गहरा नाता रहा है। पहली बार 15 अगस्त को फहराया गया तिरंगा राजस्थान में बना था। उन्होंने अपने विद्यार्थी जीवन के क्षणों का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय विद्यार्थियों की टोली हाथों में तिरंगा थामे 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' गीत के उद्घोष के साथ गलियों से गुजरती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीब कल्याण की योजनाओं से लेक र आतंकवाद और नक्सलवाद के खात्मे एवं दुनिया में भारत के बढ़ते गौरव तक अभूतपूर्व बदलाव देखा है। आज का नया भारत दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने का काम करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले ढाई वर्षों से सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है। राज्य सरकार का संकल्प है कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान हो।

न्यूज अपडेट

तेज रफ्तार कार ने कांवडियों को कुचला, 3 की मौके पर मौत-1 घायल

फतेहगढ़ साहिब /एजेंसी। फतेहगढ़ साहिब में तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला, जहां कार ने 4 कांवड़ियों को कुचल दिया, जिससे 3 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 की हालत गंभीर बनी हुई है। ये सभी शिवरात्रि के लिए गंगोत्री से गंगाजल की डाक कांवड़ लेकर फरीदकोट लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। हादसा सरहिंद-मंडी गोबिंदगढ़ के बीच हाईवे पर हुआ। सभी मृतक कोटकपूरा के रहने वाले हैं। इसमें डॉक्टर हरपाल गली निवासी जगदीश मित्तल (40), हरीनौ रोड निवासी महेंद्र पाल (43) और सुरगापुरी निवासी दीपक कुमार(42) शामिल हैं। जबकि गंभीर घायल कोटकपूरा के सरकारी गर्ल स्कूल के पास रहने वाले मुकेश गोयल को अस्पताल भर्ती करवाया गया है।

अनियंत्रित वाहन ने 3 महिलाओं को कुचला, सभी की मौके पर मौत

मधुबनी/एजेंसी। बिहार के मधुबनी जिले के बेनीपट्टी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह सड×क हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। हादसा बेनीपट्टी स्टेट हाईवे पर जगदंबा पेट्रोल पंप के पास उस समय हुआ, जब महिलाएं मॉर्निंग वॉक के बाद घर लौट रही थीं। इसी दौरान एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में तीनों महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान धकजरी गांव के नवटोली निवासी रीता देवी (42), किरण देवी (40) और फूलदाई देवी (70) के रूप में हुई है।

अंडमान-निकोबार में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शुरू किया 'हर घर तिरंगा अभियान'

कहा- अंडमान-निकोबार बलिदान की पवित्र भूमि और स्वतंत्रता संग्राम का शाश्वत प्रतीक, 'भारत एक है और हमेशा एक रहेगा'

ग्रेट निकोबार विकास परियोजना से समुद्री क्षमताओं, संपर्क और आर्थिक अवसरों को मिलेगा बढ़ावा

श्री विजयपुरम/एजेंसी।

अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 'हर घर तिरंगा अभियान' का शुभारंभ किया। उन्होंने श्री विजयपुरम स्थित ध्वज बिंदु पर तिरंगा फहराया और डीबीआरएटी सभागार में आयोजित राजकीय समारोह एवं तिरंगा संगीत कार्यक्रम को संबोधित किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' की शुरुआत के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से अधिक उपयुक्त स्थान कोई दूसरा नहीं हो सकता। ये द्वीप भारत के स्वतंत्रता संग्राम और तिरंगे के इतिहास से गहराई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान प्रत्येक नागरिक को एक राष्ट्रीय ध्वज, एक मातृभूमि और एक साझा भविष्य की भावना के साथ जोड़ता है।

नेताजी ने यहीं फहराया था तिरंगा

» उपराष्ट्रपति ने अंडमान-निकोबार के तिरंगे के इतिहास में विशेष स्थान का उल्लेख करते हुए कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 30 दिसंबर 1943 को यहीं भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। उन्होंने कहा कि यह घटना भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अध्याय है। महान तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती के विचारों का उल्लेख करते हुए श्री राधाकृष्णन ने कहा कि भारती द्वारा मनाया गया 'मणि कोडी' उत्सव भारतीय भावना के शाश्वत साहस और भारत माता के ध्वज की महिमा को दर्शाता है।

● **सावरकर समेत स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को किया याद**

श्री राधाकृष्णन ने अंडमान-निकोबार को केवल भारत का भौगोलिक हिस्सा नहीं, बल्कि बलिदानों की पवित्र भूमि बताया। उन्होंने वीर विनायक दामोदर सावरकर और सेलुलर जेल में अमानवीय यातनाएं सहने वाले असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि इन वीरों का साहस, देशभक्ति और बलिदान आने वाली पीढ़ियों को निरंतर प्रेरणा देता रहेगा।

उन्होंने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन का स्मरण करते हुए कहा कि 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के 'करो या मरो' के आ''ान ने लाखों भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम के लिए जागृत किया और आंदोलन को निर्णायक गति प्रदान की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत छोड़ो आंदोलन के वीर आंदोलनकारियों को किया नमन

कहा- आंदोलनकारियों का साहस हर भारतीय के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले सभी वीर आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहस, त्याग और दृढ़ संकल्प को याद किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आंदोलनकारियों ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, वह आज भी प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणादायी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व से प्रेरित भारत छोड़ो आंदोलन के आह्वान ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया था। इस आंदोलन ने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से मुक्ति पाने के लिए भारतवासियों के अटूट संकल्प को पूरी दुनिया के सामने प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि वे ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले सभी आंदोलनकारियों को स्मरण करते हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों का साहस और संघर्ष देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन ने स्वतंत्रता की आकांक्षा को जन-जन तक पहुंचाने और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध देशव्यापी संघर्ष को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी के नेतृत्व में दिए गए आंदोलन के आह्वान ने देशवासियों में स्वतंत्रता प्राप्त करने का दृढ़ संकल्प और मजबूत किया।

संपादकीय

क्या देश में हवाई सफर की सुरक्षा हादसों के बाद ही याद आती है?

हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। देश में हवाई यात्रा की सुविधा का दायरा बढ़ाने के लिए विमान सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। लोगों की पहुंच को आसान बनाने के लिए नए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू हवाई अड्डों के निर्माण में प्रगति हुई है। इसके साथ ही विमान किराये में भी आए दिन बेलगाम तरीके से बढ़ोतरी होती रहती है। मगर इसी तर्ज पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। कभी तकनीकी खराबी, सतर्कता की कमी, तो कभी मौसम की अप्रत्याशित चुनौतियां विमान हादसों का कारण बनती हैं।ऐसी ही एक घटना बीते मंगलवार को हुई, जब थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रहा एअर इंडिया का एक विमान वायुमंडलीय अस्थिरता यानी टर्बुलेंस के कारण हवा में अपनी निर्धारित ऊंचाई से अचानक लगभग तीन सौ फुट नीचे आ गया, जिससे सत्रह यात्री घायल हो गए। हालांकि, बाद में इस विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतार लिया गया। सवाल है कि देश भर में होने वाले विमान हादसों से सबक क्यों नहीं लिया जाता है? इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने और विमान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?यह सच है कि हाल के वर्षों में हवाई सफर की सुविधा को विस्तार देने के लिए उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। मगर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर तकनीकी और सतर्कता के स्तर पर माकूल प्रबंधों का अभाव साफ नजर आता है। पायलटों और अन्य प्रशिक्षित कर्मियों की जरूरत के मुताबिक तैनाती नहीं हो पाने से संचालन तंत्र पर दबाव बढ़ रहा है और इससे मानवीय चूक की संभावनाएं भी अक्सर बनी रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के अनुसार, करीब पैंसठ फीसद विमान दुर्घटनाओं के पीछे मानवीय चूक एक प्रमुख कारण होती है। एअर इंडिया का जो विमान वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण असंतुलित हुआ, उसमें 137 यात्री और चालक दल के आठ सदस्य सवार थे। अगर पायलट के समझने में थोड़ी सी भी चूक होती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। इससे पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। फिर क्या वजह है कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तकनीकी रूप से मानक संचालन प्रक्रिया में सुधार नहीं हो पाया है?सवाल यह भी है कि इस घटना के दौरान खराब मौसम की स्थिति में संभावित वायुमंडलीय अस्थिरता के बारे में चालक दल की ओर से यात्रियों को पहले से सचेत करने की सामान्य मानक संचालन प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं? अगर यात्रियों को समय रहते सतर्क कर दिया जाए, तो विमान में मौजूद सुरक्षात्मक उपायों के इस्तेमाल से उनके हताहत होने की संभावना कम होती है।

उन्नत बचपन की पहली शर्त- स्वस्थ भोजन, स्वस्थ भविष्य

(ललित गर्ग)

महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। विकसित भारत का स्वप्न केवल आधुनिक इमारतों, तेज अर्थव्यवस्था, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक और विश्वस्तरीय आधारभूत संरचनाओं से पूरा नहीं होगा। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके बच्चे होते हैं। यदि बचपन स्वस्थ, संस्कारित, ऊर्जावान और मानसिक रूप से सुदृढ़ है, तो राष्ट्र का भविष्य स्वतः सुरक्षित हो जाता है। यदि बचपन ही अस्वस्थ, मोटापे, मधुमेह, कुपोषण और गलत खान-पान की आदतों से घिर जाए, तो विकास की पूरी अवधारणा खोखली सिद्ध होने लगती है। इसलिए बच्चों का स्वास्थ्य केवल स्वास्थ्य मंत्रालय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विकास, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा राज्य के सभी स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री, वितरण तथा प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय इसी व्यापक दृष्टि का परिचायक है। यह केवल एक प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति उत्तरदायित्व का गंभीर संदेश है। यह स्वीकार करने का साहसिक प्रयास है कि बच्चों की सेहत बाजार के मुनाफे से कहीं अधिक मूल्यवान है। यदि यह निर्णय प्रभावी ढंग से लागू होता है तो यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि बच्चे भोजन कम खा रहे हैं, बल्कि यह है कि वे पोषण कम और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ अधिक खा रहे हैं। रंग-बिरंगे पैकेट, आकर्षक विज्ञापन, कार्टून पात्रों की ब्रांडिंग, सोशल मीडिया का प्रभाव और हर गली-मोहल्ले में उपलब्ध फास्ट फूड ने बच्चों की स्वादेंद्रियों पर ऐसा कब्जा कर लिया है कि घर का पौष्टिक भोजन उन्हें फीका लगने लगा है। यह परिवर्तन केवल खान-पान की आदत का बदलाव नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे उनके शरीर, मस्तिष्क और व्यवहार को भी प्रभावित कर रहा है। वैज्ञानिक शोध लगातार यह बताते रहे हैं कि अधिक वसा, अधिक नमक और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थ बच्चों में मोटापा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन तथा मानसिक एकाग्रता में कमी जैसी अनेक समस्याओं का कारण बन रहे हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जो बीमारियां पहले चालीस-पचास वर्ष की आयु में दिखाई देती थीं, वे अब किशोरावस्था और बचपन में ही दस्तक देने लगी हैं। यह केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि आने वाले समय में देश की उत्पादक क्षमता और मानव संसाधन पर भी गहरा प्रभाव डालने वाला संकट है। बचपन की सबसे बड़ी आवश्यकता स्वाद नहीं, पोषण है। शरीर के विकास के साथ-साथ मस्तिष्क का तीव्र विकास भी बचपन में ही होता है। यदि इस अवस्था में बच्चों को संतुलित भोजन, ताजे फल, हरी सब्जियां, दूध, दालें, मोटे अनाज और प्राकृतिक खाद्य पदार्थ पर्याप्त मात्रा में मिलें, तो उनका शारीरिक और मानसिक विकास कहीं अधिक प्रभावी होता है। इसके विपरीत जंक फूड क्षणिक स्वाद तो देता है, लेकिन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता। परिणामस्वरूप बच्चा बाहर से स्वस्थ दिखाई देता है, किंतु भीतर से अनेक पोषण संबंधी कमियों का शिकार बनने लगता है। दुर्भाग्य यह है कि जंक फूड आज केवल भोजन नहीं रहा, बल्कि एक आक्रामक व्यावसायिक संस्कृति बन चुका है। विज्ञापनों के माध्यम से बच्चों के मन में यह धारणा बैठा दी गई है कि आधुनिकता का अर्थ पैकेटबंद भोजन है। लोकप्रिय खिलाड़ी, फिल्मी कलाकार और डिजिटल प्रभावक अनजाने में बच्चों को

ऐसे उत्पादों की ओर आकर्षित करते हैं, जिनका अत्यधिक सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ऐसे में केवल परिवारों को दोष देना उचित नहीं होगा। सरकार, उद्योग, विद्यालय, अभिभावक और समाज-सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि जीवनशैली का निर्माण करने वाली प्रयोगशाला भी हैं। यदि स्कूल परिसर में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए, पोषण शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, विद्यालयों में रसोई बाग विकसित किए जाएं, बच्चों को स्वयं पौधे लगाने और प्राकृतिक भोजन के महत्व से जोड़ा जाए, तो यह परिवर्तन अधिक स्थायी होगा। केवल प्रतिबंध लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। स्वस्थ विकल्पों को स्वादिष्ट, आकर्षक और सुलभ बनाना भी उतना ही आवश्यक है। भारत की पारंपरिक भोजन संस्कृति विश्व की सबसे संतुलित और वैज्ञानिक भोजन प्रणालियों में मानी जाती है। बाजरा, ज्वार, रागी, दालें, छाछ, दही, अंकुरित अनाज, मौसमी फल, सब्जियां और घर का ताजा भोजन हमारे पूर्वजों की स्वस्थ जीवनशैली की पहचान रहे हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी इस समृद्ध खाद्य संस्कृति को त्यागने के बजाय उसे नए स्वरूप में बच्चों तक पहुंचाएं। यदि विद्यालयों की कैंटीन में स्थानीय और पारंपरिक पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएं, तो बच्चे धीरे-धीरे उसी स्वाद के अभ्यस्त हो सकते हैं। यह भी समझना होगा कि जंक फूड का प्रश्न केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अस्वस्थ बचपन का अर्थ है भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च, कार्यक्षमता में कमी, उत्पादकता का ह्रास और राष्ट्रीय आय पर प्रतिकूल प्रभाव। आज यदि बच्चों के पोषण पर निवेश किया जाता है तो वह आने वाले दशकों में स्वस्थ, सक्षम और नवाचारी नागरिकों के रूप में अनेक गुना लाभ देता है। इसलिए बच्चों के स्वास्थ्य पर खर्च को व्यय नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सबसे लाभकारी निवेश माना जाना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि घर में ही पैकेटबंद स्नैक्स, शीतल पेय और अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ नियमित रूप से उपलब्ध होंगे, तो बच्चे उनसे दूर नहीं रह पाएंगे। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि परिवार स्वयं संतुलित भोजन करेगा, साथ बैठकर भोजन करने की परंपरा विकसित करेगा और बच्चों को रसोई से जोड़कर भोजन बनाने की प्रक्रिया में सहभागी बनाएगा, तो उनमें स्वस्थ भोजन के प्रति स्वाभाविक रुचि विकसित होगी। सरकारों को भी केवल स्कूलों तक सीमित न रहकर व्यापक नीति अपनानी होगी। बच्चों को लक्षित करने वाले भ्रामक खाद्य विज्ञापनों पर नियंत्रण, पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट चेतावनी, अत्यधिक चीनी और नमक वाले उत्पादों की पहचान को सरल बनाना, खेल मैदानों की संख्या बढ़ाना, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण जागरूकता अभियान तथा स्थानीय स्तर पर सामुदायिक भागीदारी जैसे कदम समान रूप से आवश्यक हैं। यदि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग मिलकर साझा रणनीति बनाएं तो परिणाम कहीं अधिक प्रभावी होंगे। आज समय की मांग है कि जंक फूड के विरुद्ध संघर्ष को केवल प्रतिबंध तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे स्वस्थ जीवनशैली के राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप दिया जाए। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाया, उसी प्रकार स्वस्थ भोजन और पोषण को भी राष्ट्रीय जन-जागरण का विषय बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह समझाना होगा कि वास्तविक ऊर्जा किसी पैकेट में नहीं, बल्कि प्रकृति के निकट रहने वाले भोजन में छिपी है। महाराष्ट्र सरकार का निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने यह स्वीकार किया है कि बच्चों का स्वास्थ्य किसी भी राजनीतिक या आर्थिक हित से बड़ा है। अब आवश्यकता इस बात की है कि देश के सभी राज्य इस दिशा में समान साहस और दूरदर्शिता दिखाएं। विकसित भारत की आधारशिला स्मार्ट शहर नहीं, बल्कि स्वस्थ बच्चे हैं। यदि बचपन सुरक्षित रहेगा तो भविष्य सुरक्षित रहेगा। यदि बच्चों की थाली पौष्टिक होगी तो राष्ट्र की प्रगति भी संतुलित होगी। आने वाले भारत की पहचान केवल तकनीकी शक्ति से नहीं, बल्कि स्वस्थ, सशक्त, अनुशासित और जागरूक नई पीढ़ी से होगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय संकल्प यही होना चाहिए कि हर बच्चे को ऐसा वातावरण मिले, जहाँ स्वाद से पहले स्वास्थ्य, सुविधा से पहले पोषण और तात्कालिक आकर्षण से पहले दीर्घकालिक जीवन-सुरक्षा को महत्व दिया जाए। यही उन्नत बचपन का मार्ग है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेज रफ्तार जिंदगी में क्यों सबसे बड़ी ताकत बन गया है सब्र? हर दिन देता है इसका जवाब

(महिमा सामंत)

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। घर से निकलते ही यातायात जाम, दिन भर इंतजार और हर कदम पर अधीरता। आज की जिंदगी जैसे सब्र की लगातार परीक्षा बन गई है। तेज रफ्तार के इस दौर में हम हर चीज तुरंत चाहते हैं। तुरंत जवाब, तुरंत सफलता, तुरंत समाधान। ऐसे समय में 'सब्र' शब्द भले पुराना लगे, पर सच यही है कि आज इसकी जरूरत पहले से कहीं अधिक है।

दरअसल, सब्र का अर्थ केवल इंतजार करना नहीं है। यह उस इंतजार के दौरान अपने मन को संतुलित रखना है। यह वह समझ है, जो हमें जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से रोकती है। जहां अधीरता क्षणिक राहत देती है, वहीं सब्र स्थायी सुकून देता है। यह हमें सिखाता है कि हर चीज का एक समय होता है और उस समय से पहले घबराना केवल हमारी ऊर्जा को नष्ट करता है।

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सब्र की असली परीक्षा छोटे-छोटे पलों में होती है। सबसे आम उदाहरण है यातायात जाम। जब हम किसी जरूरी काम के लिए निकलते हैं और रास्ते में लंबा जाम मिल जाता है, तो मन बेचैन हो उठता है। हम बार-बार घड़ी देखते हैं, हॉर्न की आवाजें हमें और चिड़चिड़ा बना देती हैं। मगर सच यही है कि उस जाम को हम तुरंत खत्म नहीं कर सकते। ऐसे में जो व्यक्ति खुद को शांत रखता है, कोई साक्षात्कार सुन लेता है या बस गहरी सांस लेकर खुद को संभालता है, वही मानसिक रूप से संतुलित रह पाता है।

इसी तरह लंबी कतार में खड़े रहना, चाहे वह बैंक हो, अस्पताल हो या किसी दुकान की लाइन। कुछ लोग अधीर होकर आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं, बार-बार शिकायत करते हैं। वहीं कुछ लोग चुपचाप अपनी बारी का इंतजार करते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि दूसरे व्यक्ति ने स्थिति को स्वीकार कर लिया है। यही स्वीकार करना ही सब्र की शुरुआत है।

एक और साधारण लेकिन गहरा उदाहरण है 'ट्रैफिक सिग्नल' पर रुकना। लाल बत्ती होते ही कुछ लोग बेचैन हो जाते हैं। वे गाड़ी को थोड़ा-थोड़ा आगे बढ़ाते हैं, जैसे कुछ पल पहले निकल जाना बहुत बड़ा अंतर पैदा कर देगा। वहीं कुछ लोग उस रुकने को सहजता से स्वीकार करते हैं। सच यह है कि वह लाल बत्ती केवल सड़क का नियम नहीं, जीवन का संकेत भी है कि हर समय आगे बढ़ना ही जरूरी नहीं। कभी-कभी रुकना भी उतना ही आवश्यक होता है। जो व्यक्ति इस छोटे ठहराव को समझ लेता है, वह जीवन के बड़े ठहरावों को भी सहजता से पार कर लेता है।

आज के डिजिटल युग में भी सब्र की परीक्षा कम नहीं है। जब इंटरनेट धीमा हो जाता है या कोई फाइल डाउनलोड होने में समय लेती है, तो हम बार-बार स्क्रीन देखते हैं। छोटी-सी देरी भी हमें असहज कर देती है। मगर हम उसी समय को किसी और उपयोगी काम में लगा दें, जैसे कुछ पढ़ना या अपनी योजना बनाना, तो वही प्रतीक्षा सार्थक बन सकती है।

एक और आम स्थिति है - किसी के जवाब का इंतजार। हमने संदेश भेजा, फोन किया, लेकिन सामने से जवाब नहीं आया। मन तुरंत कई तरह के अनुमान लगाने लगता है। यही वह क्षण है, जहां सब्र की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। अगर हम खुद को रोक लें और यह समझें कि हर व्यक्ति अपनी परिस्थितियों में व्यस्त हो सकता है, तो हम अनावश्यक तनाव से बच सकते हैं।

घर-परिवार में भी सब्र का महत्त्व बहुत बड़ा है। जब कोई बुजुर्ग किसी बात को बार-बार पूछते हैं या धीरे-धीरे काम करते हैं, तो हम अक्सर अधीर हो जाते हैं। अगर हम थोड़ा ठहरकर सोचें, तो समझ आएगा कि उन्हें हमारी जल्दी नहीं, हमारे साथ की जरूरत है। ऐसे समय में दिखाया गया सब्र रिश्तों को गहराई देता है।

बच्चों के साथ व्यवहार भी सब्र का सबसे सच्चा आईना है। एक बच्चा जब नया कुछ सीखता है, तो वह बार-बार गलती करता है। अगर हम हर गलती पर गुस्सा करें, तो उसका आत्मविश्वास टूट जाएगा, लेकिन अगर हम सब्र के साथ उसे समझाएं, तो वही बच्चा धीरे-धीरे बेहतर बनता है।

वैवाहिक जीवन में भी सब्र की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण होती है। दो अलग-अलग स्वभाव, आदतें और सोच जब एक साथ आती हैं, तो मतभेद स्वाभाविक हैं। हर छोटी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देना या अपनी बात मनवाने की जिद करना रिश्तों को कमजोर करता है। वहीं, अगर दोनों पक्ष थोड़ा ठहरकर एक-दूसरे को समझने का प्रयास करें, तो वही मतभेद समझ में बदल सकते हैं। कई बार चुप रहना हार नहीं, बल्कि रिश्ते को बचाने की समझदारी होती है। विवाह में सब्र केवल सहने का नाम नहीं, बल्कि साथ निभाने की कला है।

पढ़ाई और करिअर के संदर्भ में देखें, तो आज हर कोई जल्दी परिणाम चाहता है।

शिक्षा सुधार के दावे बहुत, बुनियादी बदलाव अब भी अधूरा-ऐसे नहीं बनेगा ज्ञान महाशक्ति भारत

(सुरेश सेठ)

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी।

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे। भारत शिक्षा के मामले में सदियों से अग्रणी रहा। हमारी पुरानी शिक्षा व्यवस्था दुनिया को राह दिखाती थी। बड़ी संख्या में विद्यार्थी यहां पढ़ने के लिए आते थे। यहां गुरुकुल से कई ऐसे विद्यार्थी निकले, जिन्होंने दुनिया को राह दिखाई। मगर समय बदलने के साथ भारतीय शिक्षा प्रणाली में अनेक बदलाव हुए। भारत, जो कभी ज्ञान और नवजागरण के क्षेत्र में अग्रणी था, वह पिछड़ता चला गया।

हम पश्चिमी शिक्षा की नकल करने लगे। हमारी शिक्षा व्यवस्था ने शोध और अन्वेषण को कम कर दिया। कला संकाय का महत्त्व कम होता चला गया। शिक्षा पर बाजार हावी होने लगा। नए रास्ते पर चलने की हमारी ललक खत्म हो गई। दुनिया डिजिटल होती गई और इंटरनेट उसकी आधारभूमि बन गया। आज भारत कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल कर दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल होना चाहता है।

यह सच है कि ज्ञान के आकाश का कोई अंत नहीं, लेकिन भारत अगर सचमुच उस ऊंचाई को छूना चाहता है, तो उसे शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी परिवर्तन करने होंगे।

पिछले डेढ़ दशक में डिजिटल तकनीक को अपनाने और इस दिशा में आगे बढ़ने के कई दावे किए गए हैं। भारत कृत्रिम मेधा का अगुआ बनने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन एक कमी रह गई। यह कमी है संकल्प की। हम बेहतरीन शिक्षक तैयार नहीं कर पा रहे हैं। विद्वता बढ़ाने पर भी कोई जोर नहीं दिखता। इच्छा और आकांक्षा जरूर थी, लेकिन अध्यापकों की प्रतिबद्धता में बदलाव नहीं आया। विद्यार्थी उपलब्धियां हासिल करने को ही लक्ष्य मान बैठे। नतीजा यह कि मेहनत और अन्वेषण कर आगे जाने का उत्साह कम पड़ता चला गया। यही कारण है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था धीरे-धीरे पिछड़ती चली गई।

बच्चों को पढ़ाने में शिक्षक भी इसलिए पिछड़े, क्योंकि उन्होंने खुद को अद्यतन नहीं किया। नतीजा यह कि हमारे विद्यार्थी समय के साथ आगे नहीं बढ़े। डिजिटल में सहज होने के क्रम में हम कागज-कलम से दूर हो गए। इसी के साथ हम अपनी पुस्तक संस्कृति भी भूल गए। मोबाइल फोन पर ही कक्षाएं लगने लगीं। बच्चे भी वहीं पढ़ने लगे। किताबें कोने में धरी रह गईं। डिग्रियां पाने और सार्वजनिक प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने की होड़ शुरू हो गई। इसके परिणामस्वरूप शिक्षा का असली उद्देश्य पीछे रह गया।

प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ी कोई नई बात नहीं है। यह काफी समय से हो रही है। मगर जब बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाली परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बाहर आने लगे, तब इस समस्या को गंभीरता से लिया गया और यह मुद्दा बनने लगा। प्रश्नपत्र लीक को कुछ गिरोहों ने अपना धंधा बना लिया और वे लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से खेलने लगे। वर्ष 2024 और 2026 में बड़े पैमाने पर प्रश्नपत्र लीक हुए। निराशा में डूबे कुछ विद्यार्थियों ने खुदकुशी की। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच विद्यार्थियों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले दिनों आंदोलन किया। युवा पीढ़ी का असंतोष आक्रोश में बदल गया। नतीजा, शिक्षा मंत्री को त्यागपत्र देना पड़ा। हालांकि, इससे शिक्षा व्यवस्था में कोई बदलाव होगा, इसकी कोई गारंटी नहीं।

प्रवेश परीक्षाओं को दुरुस्त करने के लिए सरकार को भागीरथ प्रयास करने होंगे। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम पर संबोधन कर आक्रोशित विद्यार्थियों को शांत करने और उन्हें समझाने का प्रयास किया कि सरकार अपनी तरफ से क्या कर रही है। इसमें उन्होंने प्रश्नपत्र लीक करने वाले अपराधियों को दंड देने की व्यवस्था की बात भी की। बीती 27 जुलाई को जब संसद का सत्र दोबारा शुरू हुआ, तो परीक्षा संशोधन विधेयक पेश किया गया। इससे प्रश्नपत्र लीक करने वाले गिरोहों पर नकेल कसी जा सकेगी। सरकार इस विधेयक को काफी महत्त्व दे रही है, मगर इसमें गंभीर चिंतन नहीं दिखता है। इस पर संसद में व्यापक बहस भी नहीं हो पाई। कड़े दंड के प्रावधानों वाला यह विधेयक बहुमत के बल पर पारित तो हो गया, लेकिन परीक्षा व्यवस्था और शिक्षा में सुधार के लिए यह काफी नहीं है।

पिछला अनुभव बताता है कि दोषियों को सजा देने के कानून तो पहले भी थे। चाहे उनमें सजा इतनी सख्त नहीं थी, लेकिन फिर भी पिछले पच्चीस वर्षों में देश भर के अलग-अलग हिस्सों से जो प्रश्नपत्र लीक हुए और माफिया ने जो कारगुजारी की, उस हिसाब से बड़े पैमाने पर धर-पकड़ नहीं हुई।

फिलहाल सरकार ने एक बड़ी पहल की है। उसने त्वरित अदालतें बनाई हैं। तीन महीने में फैसला देकर अपराधियों को कड़ी सजा देने की घोषणा भी की गई है, लेकिन पिछले दिनों एक मामले में वकील के हाजिर न होने से अगली तारीख दे दी गई। दंड प्रक्रिया को चुस्त कर प्रवेश परीक्षाओं को शुचितापूर्ण तो बनाया जा सकता है, लेकिन सवाल है कि यह पूरी तरह दोषरहित कैसे होगी? हालांकि, सरकार इसको लेकर गंभीर दिख रही है। उसने छह सदस्यीय उच्चस्तरीय कार्यबल बना दिया है, जो राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के काम की समीक्षा करेगा और प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए अपनी सिफारिशें देगा। इससे परीक्षा प्रणाली में सुधार की उम्मीद है।

देश की शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। नीति-निर्माताओं को यह बात ध्यान में रखनी होगी कि शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया आज कितने आगे बढ़ चुकी है और हम अभी नारे ही गढ़ रहे हैं। हम नारे लगाते हैं डिजिटल भारत के। हम बताते हैं कि भारत में मोबाइल क्रांति हो गई है और जल्द ही कृत्रिम मेधा को भी साध लिया जाएगा। इस दिशा में प्रगति निस्संदेह प्रशंसनीय है, मगर सवाल यह है कि क्या हम युवा पीढ़ी को नए रोजगार के काबिल बना रहे हैं? आज भी न तो अध्यापक और न ही छात्र नई राहों के अन्वेषी हैं। वे कोई नया शोध करना नहीं चाहते। वे बस डिग्रियां चाहते हैं। आज भी पाठ्यक्रमों में बड़ा बदलाव नहीं होता। बरसों तक उन्हें वहीं पढ़ाया जाता है।

भारत की साठ फीसद आबादी गांवों में बसती है। मगर वहां पुस्तकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है, मोबाइल नेटवर्क या तो है ही नहीं या फिर बहुत कमजोर है और यहां चर्चा होती है कि नीट सहित सारी प्रतियोगी परीक्षाएं कंप्यूटर से ली जानी चाहिए। सुधार कैसे होगा, जबकि स्कूलों में पढ़ाई का तरीका वही पुराना है? सरकार कहती है कि ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने लगे हैं, लेकिन सच यह है कि दसवीं तक पहुंचने के बाद उनमें से कई बच्चे स्कूल से निकल जाते हैं।

उच्च स्तर पर शिक्षा में बदलाव का आधार स्कूली शिक्षा होनी चाहिए। बदलाव करना है, तो प्राथमिक स्तर से हो। शिक्षा को रोजगारपरक बनाया जाए, लेकिन यह सब रोजगार की गारंटी के बिना संभव नहीं होगा। जो विद्यार्थी पढ़ने के लिए आता है, वह आश्वस्त हो कि उसकी मेहनत और डिग्री के मुताबिक उसे रोजगार अवश्य मिलेगा। इससे छात्रों का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण अपने आप बदल जाएगा। अध्यापकों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। नए माहौल के मुताबिक जब तक वे स्वयं को अद्यतन नहीं करेंगे, तब तक बात नहीं बनेगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

51 राष्ट्रसेवियों को 'राष्ट्र सेवा गौरव' : किसी ने रक्तदान से बचाई जिंदगी, किसी ने गौसेवा तो किसी ने पौधे लगाकर संवारी प्रकृति

चमकता राजस्थान

ब्यावर। सेवा की पहचान पद या प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि समाज के लिए किए गए निस्वार्थ कार्यों से होती है। इसी भावना को साकार करते हुए हिंदू हेल्पलाइन की ओर से आयोजित जिला स्तरीय 'राष्ट्र सेवा गौरव सम्मान समारोह' रविवार को ब्रह्मानंद धाम परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में राष्ट्रसेवा, समाजसेवा, गौसेवा, रक्तदान, पर्यावरण संरक्षण, जनसेवा एवं नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 51 सेवाभावी व्यक्तित्वों एवं मातृशक्ति को मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में जब अलग-अलग क्षेत्रों से सेवा करने वाले लोगों का सम्मान हुआ तो पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सम्मान पाने वालों में ऐसे लोग भी शामिल रहे, जो वर्षों से बिना किसी प्रचार-प्रसार के जरूरतमंदों की मदद, गौसेवा, रक्तदान, पौधारोपण और सामाजिक कार्यों में जुटे हुए हैं।

मुकेश सोनी बोले—सम्मान नहीं, सेवाभाव के प्रति कृतज्ञता है

हिंदू हेल्पलाइन के प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी ने कहा कि 'राष्ट्र सेवा गौरव सम्मान' महज एक सम्मान समारोह नहीं है, बल्कि उन राष्ट्रभक्त एवं सेवाभावी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है, जो बिना किसी स्वार्थ के समाज और राष्ट्र की सेवा में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्व समाज के वास्तविक प्रेरणास्रोत हैं। जब समाज के सामने उनके सेवा कार्यों को लाया जाता है तो इससे युवा पीढ़ी को भी राष्ट्र और समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि सेवा की यह परंपरा आगे भी जारी रहेगी।

कार्यक्रम में हिंदू हेल्पलाइन के वरिष्ठ सलाहकार सदस्य उम्मेद शर्मा, नगर अध्यक्ष एडवोकेट सुनील दुबे, उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता, उपाध्यक्ष विक्रम रल, महामंत्री मनीष व्यास, संगठन मंत्री बंटी कुमावत, कोषाध्यक्ष सुनील पाडलेचा, सहकोषाध्यक्ष महेंद्र सोनी, नगर मंत्री सत्यनारायण बालोदिया, मंत्री गौरव अग्रवाल, वरिष्ठ सलाहकार मुकेश बंग, हरिकिशन सोनी, पीयूष खंडेलवाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

राष्ट्रसेवा में योगदान देने वालों को किया नमन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत रहे, जबकि अध्यक्षता भाजपा नेता भंवर सिंह पलाड़ा ने की। विशिष्ट अतिथि कृष्णकांत सिंहल एवं विप्र सेवा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र शर्मा रहे।

अतिथियों ने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल सीमाओं पर खड़े सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने क्षेत्र में ईमानदारी और निष्ठा से कार्य करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है। रक्तदान करने वाला रक्तवीर किसी की जिंदगी बचाता है, गौसेवक जीवदया का संदेश देता है, पर्यावरण प्रेमी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकृति बचाता है और भामाशाह जरूरतमंदों के लिए सहयोग का माध्यम बनता है।

जिलेभर से पहुंचे समाजसेवी

समारोह में ब्यावर के साथ जैतारण, रायपुर, खरवा, बदनोर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों से समाजसेवी, गौभक्त, रक्तदाता, पर्यावरण प्रेमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता पहुंचे। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता रही।

सम्मान समारोह के दौरान मंच से सेवा कार्यों का उल्लेख किया गया तो उपस्थित लोगों ने सम्मानित प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजकों ने कहा कि समाज में ऐसे हजारों लोग हैं, जो किसी पुरस्कार की अपेक्षा किए बिना सेवा कार्य कर रहे हैं। उन्हें सम्मान देना समाज के प्रति उनके योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करना है।

संक्षिप्त समाचार

नवनियुक्त प्रदेश सहसचिव अशोक बिश्नोई का किया अभिनंदन

चमकता राजस्थान/श्रीगंगानगर (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। पदमपुर रोड स्थित बिश्नोई मंदिर में स्थानीय बिश्नोई सभा एवं अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के नवनियुक्त प्रदेश सहसचिव अशोक बिश्नोई (पूनिया) का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज के पदाधिकारियों, प्रबुद्धजनों एवं युवाओं ने अशोक बिश्नोई का साफा पहनाकर, माल्यार्पण कर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके सामाजिक कार्यों, जीव रक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के बाद मंदिर परिसर में आयोजित आम बैठक में आगामी 4 सितंबर को कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के आयोजन सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही समाज हित से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श कर संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि बिश्नोई समाज की पहचान सदैव जीव रक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा के प्रति समर्पण रही है। अशोक बिश्नोई को प्रदेश सहसचिव का दायित्व मिलने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा समाज हित के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

कार्यक्रम में समाज के अनेक पदाधिकारी, वरिष्ठजन एवं युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन की एकजुटता और समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

श्री अरोड़वंश सभा के अध्यक्ष बने सुभाष कालड़ा

चमकता राजस्थान/रायसिंहनगर(जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। बस स्टैंड के समीप स्थित अरोड़वंश धर्मशाला में श्री अरोड़वंश सभा की बैठक आयोजित की गई, जिसमें समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से सुभाष कालड़ा को सभा का नया अध्यक्ष चुना गया। उनके चयन पर समाज के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। बैठक के दौरान पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र मिढ्ढा के कार्यकाल की सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि उनके नेतृत्व में सभा ने सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों को मजबूती मिली और समाजहित में अनेक सकारात्मक कार्य किए गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुभाष कालड़ा को समाज की जिम्मेदारी सौंपते हुए सदस्यों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में अरोड़वंश समाज और अधिक संगठित होगा तथा समाज के विकास एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। सुभाष कालड़ा ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और सभी को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने की दिशा में कार्य करेंगे। बैठक के अंत में नवनिर्वाचित अध्यक्ष का सम्मान किया गया और समाज की एकता एवं प्रगति के लिए सामूहिक संकल्प लिया गया।

हर हर शंभू जय महादेव के जयकारों से गूंज उठी विजयपुरा रोड,

चमकता राजस्थान/सुरेश खटाना। चौथ का बरवाड़ा उपखंड के राजराजेश्वर शिव मंदिर से निकली कांवड यात्रा बावड़ी पाड़ा चतुर्भुज मंदिर गणेश मार्केट होती हुई मुख्य बाजार पहुंची जहां जिला महामंत्री जम्भू कुमार जैन मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष गोपाल गुर्जर ने शिव भक्तों का स्वागत किया ।यात्रा गांधी सर्किल से थाना रोड होते पावंडेरा रेलवे फाटक पहुंची जहां समाज सेवी के पुत्र सजल खटाना द्वारा जल पान पिलाकर भक्तों का आशीर्वाद प्राप्त किया। विजयपुरा हर हर महादेव मंदिर पहुंची ।जगह जगह कावड़ यात्रा के स्वागत में भक्तों ने चाय पानी फलाहार की सुविधा दी।विजयपुरा शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया।शाम को समस्त गांव वासियों की तरफ से भोजन प्रसादी वितरण की जायेगी।

जालौर जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026 की शुरुआत, तिरंगा प्रभात फेरी से गूंजा जालोर

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ कयूम खान/ फोटो सागर/जालोर। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिले में रविवार से 'हर घर तिरंगा' अभियान-2026 का आगाज हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में हुआ। अभियान के प्रथम दिवस ग्राम एवं वार्ड स्तर पर विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया।

अभियान के तहत तिरंगा प्रभात फेरी निकालकर आमजन को राष्ट्रध्वज के सम्मान, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना के प्रति जागरूक किया गया। तिरंगा हाथों में लेकर निकले प्रतिभागियों ने लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रध्वज की गरिमा बनाए रखने का संदेश दिया।

● नगर परिषद से निकली तिरंगा प्रभात फेरी

जालोर शहर में नगर परिषद प्रांगण से तिरंगा प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। नगर परिषद आयुक्त शिवपाल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया। तिरंगा प्रभात फेरी नगर परिषद परिसर से रवाना होकर कलेक्टरेट रोड, शिवाजी नगर एवं आहोर चौराहा होते हुए वापस नगर परिषद परिसर पहुंची। इस दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्रध्वज के सम्मान और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। प्रभात फेरी के दौरान देशभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण नजर आया। अभियान के माध्यम से नागरिकों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय गौरव की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जिले में आगामी दिनों में भी विभिन्न जनजागरूकता एवं राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

WE HOPE HUMAN WELFARE SOCIETY द्वारा निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर।

नागौर, आजादी का महोत्सव एवं 80वें स्वतंत्रता दिवस' के उपलक्ष्य में ही Hope Human Welfare Society की ओर से ग्रीन हाउस, दरगाह सूफी साहब में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर देशभक्ति स्वतंत्रता एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े आकर्षक चित्र बनाए। प्रतियोगिता को 'तीन वर्गों' में आयोजित किया गया। उच्च स्तरीय वर्ग में *ल्हड़े की छात्रा आयशा परवीन' ने प्रथम 'अक्शा' ने द्वितीय तथा 'अदी हसन' ने तृतीय स्थान प्राप्त

किया। प्राथमिक वर्ग में 'इंजीला नूर' प्रथम, 'सफा गौरी' द्वितीय एवं 'सहाना नूर' तृतीय रहीं। नन्हे बच्चों के वर्ग में 'तमन्ना' ने प्रथम तथा 'सुहाना नूर' ने उत्कृष्ट चित्र बनाकर विजेताओं में अपना स्थान बनाया। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 'दरगाह वक्फ कमेटी हजरत सूफी हमीदुद्दीन नागौरी र.अ. के सदर हाजी शमशेर खान' द्वारा मोमॅटो एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। 'मारवाड़ पब्लिक स्कूल' के निदेशक मास्टर सगीर आलम अंसारी ने कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। संस्था के अध्यक्ष 'सुनील शर्मा' ने कहा कि बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। संस्था के फाउंडर 'नदीम खान' ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देशय बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना और उन्हें अपनी कला एवं विचार व्यक्त करने का मंच देना है। कार्यक्रम में नायब शहर काजी मुफ्ती सादिक उस्मानी अनस खान, आरिफ गौरी, बिलाल रंगरेज, खालिद हुसैन, इरफान ताकली, अकबर खान, रेहान, एवं मुजीबुर्रहमान' सहित कई सदस्यों ने सहयोग किया। संस्था ने भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सामाजिक जुड़े गरूकता से जुई कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही!

फलोदी में बिश्नोई बिजनेस समिट का सफल आयोजन

चमकता राजस्थान/अनिल सैन/ फलोदी। नगर परिषद टाउन हॉल में बिश्नोई ग्लोबल काउंसिल के तत्वावधान में बिश्नोई बिजनेस समिट आयोजित हुआ। इसमें 300 से अधिक उद्यमियों, युवाओं, महिलाओं एवं प्रबुद्धजनों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि रेशमाराम जी (H.R. Construction), अध्यक्ष रामनिवास जी भादू एवं बिश्नोई ग्लोबल काउंसिल के संस्थापक रमेश बिश्नोई ने युवाओं को व्यापार एवं उद्यमिता के लिए प्रेरित किया। राजू जी कांवा ने भी युवाओं से आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। समिट में सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण एवं विभिन्न व्यवसायिक अवसरों की जानकारी दी गई। ओमप्रकाश जी के नेतृत्व में पर्यावरण टीम ने सहयोग किया। मंच संचालन सुखराम जी एवं सहीराम जी ने किया। आभार बुधाराम जी, भोलाराम जी एवं पप्पूराम भादू ने व्यक्त किया। आयोजन में महिपाल भादू, हजारी राम गोदारा, रामनिवास जाणी, बुधाराम जी जाणी, राधाकृष्ण बिश्नोई, श्रवण खिलेरी, कंवरलाल जी नैण, मांगीलाल पूनिया, भोलाराम गोदारा, कस्तूरी चंद्र बिश्नोई, देवीलाल जी जाणी एवं हंसराज जी खिलेरी सहित पूरी टीम का सहयोग रहा।

कृषि बेरे पर अचानक पहुंचा 10 फीट लंबा अजगर, मचा हड़कंप

● रेस्क्यू टीम ने सुरक्षित पकड़कर जंगल में छोड़ा

चमकता राजस्थान/ ब्यूरो चीफ जेके बावल/ पाली - निकटवर्ती कोट बालियान गांव में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब वक्तराम एवं खीमाराम चौधरी के कृषि बेरे पर करीब 10 फीट लंबा अजगर नजर आया। विशालकाय अजगर को देखकर मौके पर मौजूद लोगों में भय का माहौल बन गया। अजगर की सूचना मिलते ही उन्होंने वाइल्ड एंड स्ट्रीट एनिमल रेस्क्यू टीम बाली को फोन कर जानकारी दी। सूचना पर रेस्क्यू टीम के दिलीप सैन और कांतिलाल प्रजापत मौके पर पहुंचे। टीम ने सावधानीपूर्वक प्रयास करते हुए अजगर को सफलतापूर्वक पकड़ लिया। रेस्क्यू के बाद अजगर को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर प्राकृतिक वातावरण में जंगल में छोड़ दिया गया। अजगर के सुरक्षित रेस्क्यू होने पर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू टीम के दिलीप सैन ने लोगों से अपील की कि आबादी या कृषि क्षेत्र में कोई भी वन्यजीव दिखाई देने पर उसे नुकसान पहुंचाने या पकड़ने का प्रयास न करें। तुरंत रेस्क्यू टीम बाली के हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें, ताकि वन्यजीव को सुरक्षित रेस्क्यू कर उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सके।

मांडल भूतेश्वर जी की तालाब कीपाल पर किया भोलेनाथ का अभिषेक

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिडला/ मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। मांडल तालाब की पाल भूतेश्वर जी पर आज भगवान भोलेनाथ का अभिषेक श्रृंगार एवं आरती करने का अवसर प्राप्त हुआ । पंडित वेद प्रकाश जीतिवारी पंडित आशुतोष जी ने मंत्र उच्चारण एवं आरती भगवान भोलेनाथ का दूध दही से अभिषेक करवाया इस दौरान कई श्रद्धालु नए दर्शनों का लाभ लिया । इस दौरान संजय भडिंया मौजूद थे

पुलिस प्रशासन की माकूल व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से निकली रैली

विश्व आदिवासी दिवस पर धरियावद में निकली भव्य रैली, गूंजे जय जोहार के... विधायक थावर चंद्र डामोर के नेतृत्व मे रैली आयोजित कि गई

चमकता राजस्थान

धरियावद। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को धरियावद नगर में आदिवासी समाज की ओर से भव्य रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। हाथों में झंडे एवं तख्तियां लेकर लोगों ने आदिवासी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का संदेश दिया। रैली नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान

पारंपरिक वेशभूषा में शामिल समाजजनों ने आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। रैली के दौरान नगर में उत्साह और उल्लास का माहौल नजर आया। वही मुस्लिम समुदाय कि और से भव्य स्वागत किया गया। रैली को लेकर जिला पुलिस कप्तान विशाल जांगिड़ के निर्देशन पर शांति पूर्वक रैली निकले जिस पर धरियावद सी ओ सर्कल के पुलिस उपअधीक्षक नाना लाल सालवी के मार्ग दर्शन पर चारो थाना के थाना अधिकारी मय जाब्ता जगह जगह तैनात रहे जिसमे थाना धरियावद से हजारीलाल मीणा केशरियावाद रमेश चंद्र मीणा देवगढ़ नगजीराम परसोला सहित मय जाब्ता पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए। प्रमुख मार्गों एवं रैली के रास्ते पर पुलिस जाब्ता तैनात रहा, जिससे रैली शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। पुलिस प्रशासन की माकूल व्यवस्था के चलते आमजन को भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित रैली के माध्यम से समाजजनों ने आदिवासी संस्कृति एवं विरासत के संरक्षण, शिक्षा, सामाजिक एकता और समाज के विकास का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

सावन में शिवभक्ति में लीन हुए विकास अधिकारी जोशी

- मसानिया महादेव मंदिर में सपरिवार की पूजा-अर्चना, क्षेत्र की खुशहाली की कामना

चमकता राजस्थान/धरियावद। धर्मनगरी धरियावद में पवित्र सावन मास के चलते शिवालयों में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ रही है। इसी क्रम में माँ सीता नदी एवं कर्मोचनी नदी के समीप स्थित मसानिया महादेव मंदिर में धरियावद पंचायत समिति के विकास अधिकारी सुनील कुमार जोशी ने सपरिवार पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर पंडित ओमप्रकाश श्रीमाली ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा एवं भगवान शिव का अभिषेक करवाया। विकास अधिकारी जोशी एवं उनके परिवारजनों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि, शांति एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की तथा महादेव का आशीर्वाद लिया।

पूजा-अर्चना के पश्चात श्रद्धालुओं एवं उपस्थित भक्तों को प्रसाद का वितरण किया गया। सावन के पावन अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारों के साथ अपनी आस्था प्रकट की।

बांडा कॉलोनी में शानदार खालसा क्रिकेट कप का हुआ भव्य समापन

- श्रीमती कंचन नायक जिला मंत्री भाजपा श्रीगंगानगर का साफा पहनाकर किया गया स्वागत

चमकता राजस्थान/अनूपगढ़ (जिला संवाददाता संजय बिश्नोई)। स्थानीय बांडा कॉलोनी में आयोजित शानदार खालसा क्रिकेट कप खेल प्रतियोगिता का समापन समारोह उत्साह, जोश और खेल भावना के माहौल में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया, जबकि फाइनल मुकाबले ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समापन समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में रायसिंहनगर की जिला मंत्री भाजपा श्रीगंगानगर कंचन नायक और नानूवाला के विक्रम पुनिया को बांडा कॉलोनी समस्त कमेटी द्वारा साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। दोनों अतिथियों का पारंपरिक राजस्थानी अंदाज में स्वागत किया गया, जिस पर उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्क ार प्रदान किए गए। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और सकारात्मक सोच का भी महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने युवाओं से खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का आ''ान किया। बांडा कॉलोनी समस्त कमेटी के सदस्यों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। आयोजन की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं, बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति और खिलाड़ियों के उत्साह ने प्रतियोगिता को यादगार बना दिया।

समारोह के अंत में आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों, अतिथियों, सहयोगियों और खेल प्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे खेल आयोजनों को निरंतर जारी रखने की घोषणा की।

साण्डेराव में खुलेगा देश का इकलौता 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इंडीजिनस फार्म'

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल / पाली । पशुओं की नस्ल सुधार एवं दे-शी पशु प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में राजस्थान ने रविवार को ऐतिहासिक कदम उठाया। जिले के सुमेरपुर क्षेत्र के साण्डेराव में प्रदेश के प्रथम 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इंडीजिनस फार्म' के प्रशासनिक भवन का भूमिपूजन एवं शिलान्यास पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किए जा रहे इस केंद्र को देश का पहला और एकमात्र ऐसा केंद्र बताया जा रहा है, जहां एक साथ गाय, भैंस, बकरी, भेड़, ऊंट और घोड़े की करीब 30 प्रजातियों के नस्ल सुधार, संरक्षण एवं संवर्धन पर शोध किया जाएगा। राजस्थान सरकार की बजट घोषणा 2025-26 की क्रियान्विति के तहत शुरू हुए इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर करीब 60 करोड़ रुपये खर्च होंगे। करीब 200 बीघा भूमि में विकसित होने वाला यह केंद्र लगभग दो वर्ष में पूर्ण होने की उम्मीद है।

- राजस्थान की देशी नस्लों पर विशेष जोर

मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि केंद्र में विशेष रूप से राजस्थान की पारंपरिक एवं विशिष्ट पशु प्रजातियों के संरक्षण और नस्ल सुधार पर ध्यान दिया जाएगा। गायों में गिर, कांकरेज, राठी, थारपारकर, साहीवाल, नागौरी, मालवी एवं हरियाणा नस्ल के सैक्स-सॉर्टेड सीमन, कृत्रिम गर्भाधान तथा उन्नत नस्ल के सांडों के माध्यम से नस्ल सुधार किया जाएगा।

दुनिया की सबसे छोटी गायों में शामिल पुंगनूर नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर भी शोध किया जाएगा। इसके अलावा मुर्रा, सूरती, जाफराबादी, मेहसाना भैंस; मगरा, मारवाड़ी, नाली, चोकला, पूगल, जैसलमेरी, मालपुरा और सोनाड़ी भेड़; बारबरी, सिरोही, जमनापारी, जखराना, सोजत एवं मारवाड़ी बकरी; जैसलमेरी व बीकानेरी ऊंट तथा राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी घोड़ा नस्ल के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी कार्य होगा।

- पशुपालकों को मिलेगा प्रशिक्षण और उन्नत नस्ल के पशु

यह केंद्र केवल अनुसंधान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पशुपालकों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। समय-समय पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। केंद्र से पशुपालकों को उच्च गुणवत्ता वाले उन्नत नस्ल के पशु उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था होगी। इसके साथ ही पशुपालन के क्षेत्र में नए स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर विकसित किए जाएंगे।

धरियावद में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा शहर

चमकता राजस्थान

तिरंगे के साथ राष्ट्रप्रेम और एकता का दिया संदेश, तंबाकू मुक्त जीवन व पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

धरियावद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर को लेकर धरियावद नगर में देशभक्ति से ओतप्रोत तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में अधिकारी धरियावद तहसीलदार दीपिका कटारा नायब तहसीलदार रजनीश व्यास विकास अधिकारी सुनील कुमार जोशी जनप्रतिनिधि,पूर्व प्रधान हकरी देवी मीणा भा ज पा महिला मंडल अध्यक्ष रेखा चौधरी पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबु लाल विजयवर्गीय शिक्षा विभाग से वीरेंद्र सिंह शकतावत भारती दाधीच अलका वैष्णव सामाजिक कार्यकर्ता दीपक कोठारी पुष्कर जैन मनोज जैन सहित एवं बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। हाथों में तिरंगा लेकर लोगों ने राष्ट्रप्रेम, एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान पूरा शहर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। जगह-जगह लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। यात्रा में शामिल लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान उपखंड प्रशासन के अधिकारी, पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों ने भी सहभागिता निभाते हुए आमजन को राष्ट्रहित एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने कहा कि राष्ट्रप्रेम केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हमें अपने दैनिक जीवन में भी देशहित, स्वच्छता, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर तंबाकू का सेवन नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई गई। लोगों ने तंबाकू एवं नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पर्यावरण को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम्के जयघोष से नगर का माहौल देशभक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन में राष्ट्रप्रेम के साथ-साथ स्वस्थ जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और सामाजिक जागरूकता का संदेश पहुंचाना रहा।

रानी में निकली भव्य तिरंगा प्रभात फेरी, भारत माता के जयघोष से गूंजा शहर।

चमकता राजस्थान/भरत कुमार गांधी रानी। राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम की भावना से ओत-प्रोत तिरंगा प्रभात फेरी का आयोजन रविवार को रानी शहर में किया गया। प्रभात फेरी केडी होटल से प्रारंभ होकर प्रताप बाजार होते हुए अष्टापद जैन मंदिर तक पहुंची। हाथों में तिरंगा लेकर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, पालिका कर्मचारियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

तिरंगा प्रभात फेरी को भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश गहलोत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रभात फेरी के दौरान भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं राष्ट्रभक्ति के जयघोष से पूरा शहर गूंज उठा। तिरंगे के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का उत्साह देखने को मिला।

भाजपा मंडल अध्यक्ष हरीश गहलोत ने कहा कि तिरंगा केवल देश का ध्वज नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के गौरव, सम्मान और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज में राष्ट्रभक्ति, एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि देशहित और राष्ट्रसेवा के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

प्रभात फेरी के दौरान शहरवासियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए तिरंगे का सम्मान किया। पूरे मार्ग में राष्ट्रभक्ति का वातावरण बना रहा और कार्यक्रम ने शहरवासियों में देशप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया।

गुरु शिष्य की अंतर्यात्रा का मार्गदर्शक : रांकावत

- गुरुओं का किया सम्मान, शिष्यों का किया अभिनंदन

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर भारत विकास परिषद् शाखा नागौर द्वारा राष्ट्रीय प्रकल्प गुरु वंदन छात्र अभिनंदन का कार्यक्रम ताऊसर स्थित मां शारदा उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद् की नागौर शाखा के वरिष्ठतम सदस्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर भवानी शंकर रांकावत ,बजरंग लाल शर्मा,रामकिशोर सारड़ा,राजेंद्र डागा ने मां सरस्वती के दिव्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। परिषद् की परंपरा के अनुसार राष्ट्रगीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया।भारत विकास परिषद् का परिचय देते हुए वरिष्ठ सदस्य रामकिशोर सारड़ा ने बताया कि परिषद् संपर्क,सहयोग,सेवा,संस्कार और समर्पण के आधारभूत बिंदुओं पर कार्य करती है। योद्धा संन्यासी और यायावर संत स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का अनुसरण करते हुए परिषद् सेवा प्रकल्पों और रचनात्मक गतिविधियों का संचालन करती है।मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए सेवानिवृत्त प्रोफेसर भवानी शंकर रांकावत ने प्राचीन भारतीय गुरु शिष्य परम्परा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गुरु,शिष्य की अंतर्यात्रा का मार्ग दर्शक है जो जीवन जीने की कला से अवगत कराता है। आज की प्रासंगिकता में शिष्यो में आत्मबोध और राष्ट्र गौरव जगाना ही गुरु का ध्येय होना चाहिए।हमारे जीवन में हमारा मार्गदर्शन करने वाले और जीवन जीने की कला सिखाने वाले हमारे गुरु होते हैं। गुरुओं का सम्मान शिष्यों के श्रेष्ठ चारित्रिक उत्थान का सूचक है। परिषद् के सदस्य राजेंद्र डागा ने माता पिता गुरुजनों,नारी शक्ति और प्रकृति संरक्षण की शपथ दिलवाई।

10 अगस्त को नागौर में निकलेगी तिरंगा रैली, नगरवासी होंगे शामिल

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर : स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के अवसर पर जिले में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन नागौर द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार, 10 अगस्त को प्रातः 10 बजे जिला मुख्यालय पर तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से आयोजित तिरंगा रैली कलेक्ट्रेट नागौर से प्रारंभ होकर गांधी चौक तक जाएगी। रैली में तिरंगे के साथ बड़ी संख्या में आमजन, अधिकारी-कर्मचारी, युवा एवं विभिन्न वर्गों के नागरिक शामिल होंगे। रैली के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रभक्ति और 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह में सक्रिय जनभागीदारी का संदेश दिया जाएगा।

जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से तिरंगा रैली में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल एवं प्रेरणादायी बनाने का आ''ान किया है। प्रशासन ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को स्मरण करने का अवसर भी है। तिरंगा रैली के माध्यम से नागौर जिले में स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाने का संदेश दिया जाएगा।

गुडामालानी में बेखौफ रेत खनन का खेल! दिन-रात दौड़ रहे डंपर, गहरे गड्ढों से बढ़ा हादसे का खतरा

चमकता राजस्थान

बालोतरा। गुडामालानी क्षेत्र में रेत खनन और परिवहन को लेक र प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र की सड़कों पर रेत से भरे डंपर दिन-रात दौड़ते नजर आ रहे हैं। भारी वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण कई मार्गों पर दुपहिया वाहन चालकों के लिए आवागमन मुश्किल होता दिखाई दे रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि इन वाहनों की नियमित जांच और खनन सामग्री की वैधता की निगरानी आखिर कौन कर रहा है। खास बात यह है कि रेत से भरे डंपरों की आवाजाही एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय के आसपास से होकर भी होती है। सरकारी कार्यालयों के सामने से रेत से भर भारी वाहनों की आवाजाही के बावजूद यदि खनन और परिवहन की जांच प्रभावी रूप से नहीं हो रही है तो यह प्रशासनिक निगरानी पर बड़ा सवाल है। संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है कि खनन क्षेत्र से लेकर परिवहन तक प्रत्येक स्तर पर नियमों की पालना सुनिश्चित करें।

गुडामालानी क्षेत्र में रेत खनन का दायरा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। कई स्थानों पर रेत के बड़े टीलों को खोदकर जमीन का स्वरूप तक बदल दिया गया है। खनन गतिविधियों का असर वन क्षेत्र, निजी भूमि और प्राकृतिक भू-भाग पर भी पड़ने की आशंका है। वहीं कॉलोनियों के आसपास तेजी से बदल रहे भू-उपयोग के बीच यह जांच भी जरूरी है कि निर्माण एवं विकास कार्यों में इस्तेमाल होने वाली रेत वैध स्रोत से आ रही है या नहीं।

मामला सिर्फ रेत के परिवहन तक सीमित नहीं है। खनन के दौरान पेड़-पौधों की कटाई और प्राकृतिक भू-दृश्य को नुकसान पहुंचने की स्थिति में पर्यावरणीय नियमों की पालना की जांच भी आवश्यक है। खनन के लिए आवश्यक अनुमति, वैध दस्तावेज, रॉयल्टी और अन्य निर्धारित प्रमाण-पत्रों की जांच किए बिना यदि कहीं खनन या परिवहन हो रहा है तो संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

सबसे गंभीर स्थिति उन स्थानों पर बन रही है जहां खनन के बाद जमीन में 30 से 40 फीट तक गहरे गड्ढे खुले छोड़ दिए जाते हैं। बारिश के दौरान इन गड्ढों में पानी भरने से यह जानलेवा साबित हो सकते हैं। बच्चों, राहगीरों और पशुओं के इनके अंदर गिरने की आशंका बनी रहती है। किसी दुर्घटना के बाद जिम्मेदारी तय करने के बजाय पहले ही सुरक्षा व्यवस्था करना जरूरी है।

कलेक्टर देवेंद्र कुमार की अगुवाई में निकली तिरंगा प्रभात फेरी, देशभक्ति के नारों से गूंजा वातावरण

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर/नागौर। रविवार सुबह हल्की बारिश की फुहारों के बीच कलेक्ट्रेट तिराहे से मानासर सर्किल तक तिरंगा प्रभात फेरी निकाली गई। जिला कलेक्टर देवेंद्र कुमार ने तिरंगा प्रभात फेरी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके बाद स्वयं प्रभात फेरी की अगुवाई करते हुए इसमें शामिल हुए। कलेक्टर ने हाथ में तिरंगा लेकर आमजन और युवाओं का उत्साहवर्धन किया तथा राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया।

राज्य सरकार के निर्देशन में कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा जिले में 9 अगस्त से हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपखंड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर तिरंगा प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया। जिला मुख्यालय पर आयोजित प्रभात फेरी में कलेक्टर देवेंद्र कुमार की सक्रिय सहभागिता ने युवाओं और आमजन में विशेष उत्साह का संचार किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सोंकरिया, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत गोदारा, उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह भींचर, जिला खेल अधिकारी सोहनलाल गोदारा, कैप्टन प्रेमसिंह बुगासरा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे ।

जयपुर तिरंगे के रंग में रंगा, अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक गूंजा राष्ट्रप्रेम का जयघोष

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा में की सहभागिता

चमकता राजस्थान

जयपुर। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आ''ान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रविवार को जयपुर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री जे.पी. नड्डा जी एवं मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित इस तिरंगा यात्रा में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भी सहभागिता निभाई।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल होकर राष्ट्रप्रेम, एकजुटता और देशभक्ति का संदेश दिया। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए लोगों का जोश और देशभक्ति के गीतों के बीच गूंजता 'भारत माता की जय' का जयघोष पूरे मार्ग को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगता नजर आया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ जी, विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी जी, उपमुख्यमंत्री श्री प्रेमचंद बैरवा जी, भाजपा प्रदेश प्रभारी श्री राधा मोहन दास अग्रवाल जी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री अजेय कुमार जी, मंत्रीगण, विधायकगण, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा के दौरान जयपुर की ऐतिहासिक चारदीवारी भी तिरंगे के रंग में सजी नजर आई। हर ओर लहराता तिरंगा और देशभक्ति के नारों ने वातावरण में राष्ट्रप्रेम की अद्भुत ऊर्जा का संचार किया। यात्रा में शामिल लोगों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को अभिव्यक्त किया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ने और स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति सम्मान एवं गौरव व्यक्त करने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति की सामूहिक भावना का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

खेल-खेल में नन्हे हाथों ने रोपे नीम के पौधे, हरियाली का दिया संदेश

- **हरियालो राजस्थान अभियान से प्रेरित 6-7 वर्षीय दक्ष, वैदहि व दिव्यांशी शर्मा खुद लाए नीम के पौधे और कर दिया पौधारोपण**

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी/बोहेड़ा। हरियालो राजस्थान अभियान का असर अब नन्हे बच्चों की सोच और व्यवहार में भी दिखाई देने लगा है। बड़ीसादड़ी उपखंड के जियाखेड़ी गांव में 6-7 वर्षीय दक्ष, वैदहि व दिव्यांशी शर्मा ने पर्यावरण के प्रति अनूठा लगाव दिखाते हुए बरसात के दिनों में अपने आप उगे नीम के पौधों को अपनी इच्छा से लाकर रविवार की छुट्टी के दिन खेल-खेल में छोटी सी जगह पर कई पौधे रोप दिया।

बच्चों से जब पूछा गया कि वे पौधे क्यों लगा रहे हैं और ये किसके पौधे हैं, तो उन्होंने मासूमियत भरे अंदाज में बताया कि ये नीम के पौधे हैं। इनका स्वाद कड़वा होता है और यह बीमारियों को ठीक करने में उपयोगी है, इसलिए वे इन्हें लगा रहे हैं। इतनी कम उम्र में बच्चों में पेड़-पौधों और उनके महत्व की यह समझ निश्चित रूप से आश्चर्य और खुशी का विषय है

- **अभियान ने जगाई हरियाली की अलख**

हरियालो राजस्थान अभियान के प्रति बढ़ी जागरूकता के चलते इन दिनों प्रदेशभर में सरकारी एवं निजी स्तर पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जा रहा है।

नंदोत्सव 2026 ; अनुशासन के साथ जनसंपर्क अभियान को आगे बढ़ाएं : श्रीमती सरला बोथरा

चमकता राजस्थान/जयपुर। श्री सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति (जयपुर केंद्र) के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नंदोत्सव 2026 के आयोजन के उपलक्ष्य में न्यू सांगानेर रोड स्थित आयोजन कार्यालय पर सभी गुरु भक्तों की मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें आश्रम की प्रथम उपासिका श्रीमती सरला बोथरा ने सभी से आव्हान किया कि वे अनुशासन के साथ जनसंपर्क अभियान में सघन कार्य करें। गुरु की वाणी जन जन तक पहुँचाने के लिए हमें संगठित होकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर ब्रह्मर्षि परिवार, जयपुर की ओर से श्रीमती सरला बोथरा का शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मान किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र सिंह चौधरी ने बताया कि हम सभी का यह प्रयास रहेगा कि अधिक से अधिक संख्या में लोग गुरुदेव के दर्शन तथा आशीर्वाद को प्राप्त करें। आयोजन के लिए अनेक समितियों का गठन किया गया है। युवा व महिला कार्यकर्ता की भागीदारी के साथ आयोजन से बड़ा संदेश दिया जाएगा। राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने कहा कि यह आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन ॐ सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के दिव्य सान्निध्य में सम्पन्न होगा। श्रद्धालुओं के लिए प्रवेश हेतु पूर्व पंजीयन की व्यवस्था की गई है, जिसके लिए।ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। गुरुभक्त कमल आत्रेय ने बताया कि इस अवसर पर गुंजन सोनी, केसी विश्नोई, राजेंद्र शर्मा, प्रमोद पालीवाल, आशीष चोहान, सीएम. शर्मा, विनोद बोथरा, श्रीमती विनीता बोहरा, श्रीकांत विभूतिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। गुरु भक्तों का उत्साह देखते ही बनता है। राजधानी में दिन भर वर्षा के बीच मीटिंग में लगभग सौ से अधिक गुरु भक्त उपस्थित थे।

रामगंज मंडी मेघवाल विकास समिति ने सामूहिक विवाह सम्मेलन एवं रक्तदान शिविर का किया ऐलान

- **संत श्री रविदास जी महाराज की कलश यात्रा का किया भव्य स्वागत**

चमकता राजस्थान/गोपाल सिलोरिया करावन/झालावाड़/रामगंजमंडी। क्षेत्रीय मेघवाल विकास समिति, रामगंजमंडी की कार्यकारिणी समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को छात्रावास भवन परिसर में समाज अध्यक्ष आनंद गहलोत के साथ उपाध्यक्ष संरक्षक कार्यकारिणी सदस्य व पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष सभी के सानिध्य मे बैठक संपन्न हुई। बैठक में समाज हित और जनसेवा से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि हमारे आराध्य देव,बाबा रामदेव दोज (जयन्ति) के उपलक्ष मे आगामी 27 सितंबर 2026 रविवार को छात्रावास भवन (मारुति नगर रामगंजमण्डी)परिसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। वही समाज को फिजूल खर्चे से बचने के लिएऔर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2027 में भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव पारित हुआ।

इसके पश्चात, दोपहर 3 बजे सुविधा नगर के सामने, सुकेत रोड पर संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की ,शिक्षा श्री मंत्री मदन दिलावर जी के नेतृत्व में निकाली गई कलश यात्रा का मेघवाल समाज द्वारा अध्यक्ष आनंद गहलोत की अगुवाई में फूल मालों के साथ हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर समाज के प्रबुद्ध एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

चमकता राजस्थान

जयपुर। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने रविवार को जयपुरिया अस्पताल स्थित वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा वहां उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं एवं सेवाओं की जानकारी ली।

उप मुख्यमंत्री ने वन स्टॉप सेंटर पर उपस्थित पीड़ित महिला से उसकी समस्या के संबंध में विस्तार से जानकारी ली तथा उसे उपलब्ध कराई जा रही सहायता एवं सेवाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध एवं संवेदनशील तरीके से आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने वन स्टॉप सेंटर पर पूर्व में दर्ज प्रकरणों की भी जानकारी ली तथा संबंधित मामलों में पीड़ित महिलाओं को उपलब्ध कराई गई सहायता एवं वर्तमान स्थिति के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने केंद्र में संधारित रिकॉर्ड, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न सेवाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान आयुक्त महिला अधिकारिता राकेश राजोरिया, उप निदेशक कुंतल बिश्नोई, डॉ. राजेश डोगीवाल, सुनीता मीणा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि वन स्टॉप सेंटर पर आने वाली पीड़ित महिलाओं को सुरक्षा, परामर्श, चिकित्सा, विधिक सहायता सहित आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र पर आने वाली प्रत्येक पीड़ित महिला की समस्या को संवेदनशीलता से सुनते हुए उसे आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

राशन डीलर संघ की जिला कार्यकारिणी विस्तार की तैयारी तेज, योगेंद्र शर्मा जिलाध्यक्ष और सोमेश्वर गुर्जर युवा अध्यक्ष की दौड़ में आगे

चमकता राजस्थान/धौलपुर ब्यूरो चीफ रामदास तरुण। राशन डीलर संघ की जिला कार्यकारिणी के विस्तार की तैयारियां तेज हो गई हैं। प्रदेश अध्यक्ष सरताज अहमद के निर्देशानुसार संगठन को मजबूत बनाने, राशन विक्रेताओं के अधिकारों की रक्षा करने तथा उनकी समस्याओं के प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जल्द ही जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा।

जिला कार्यकारिणी के विस्तार की घोषणा के साथ ही संगठन में विभिन्न पदों को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। जिलाध्यक्ष पद के लिए करीमपुर निवासी योगेंद्र शर्मा उर्फ 'पप्पू ठेकेदार' का नाम सबसे प्रमुखता से सामने आ रहा है। वहीं युवा अध्यक्ष पद के लिए सोमेश्वर गुर्जर का नाम भी सबसे आगे बताया जा रहा है।

राशन डीलरों एवं संगठन से जुड़े सदस्यों का कहना है कि योगेंद्र शर्मा लंबे समय से राशन विक्रेताओं के हितों के लिए संघर्षरत रहे हैं तथा सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा मिलने और राशन डीलरों की समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठाए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं युवा वर्ग में सोमेश्वर गुर्जर की सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें युवा अध्यक्ष पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष के दिशा-निर्देशों के तहत शीघ्र ही जिला स्तरीय बैठक आयोजित कर जिला कार्यकारिणी के पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बैठक में नए पदाधिकारियों के नामों की आधिकारिक घोषणा किए जाने की संभावना है। संगठन के सदस्यों को विश्वास है कि नई कार्यकारिणी राशन डीलरों के हितों की रक्षा तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी भूमिका निभाएगी।

हर घर तिरंगा अभियान से राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा ब्यावर जिला

चमकता राजस्थान/ब्यावर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को ब्यावर जिले में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में तिरंगा रैलियां निकाली गईं, जिनमें जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया।

- **जैतारण में कैबिनेट मंत्री ने लिया तिरंगा रैली में भाग**

जैतारण में आयोजित तिरंगा रैली में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने भाग लिया। उन्होंने आमजन के साथ हाथों में तिरंगा लेकर राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। रैली में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साह के साथ सहभागिता की। देशभक्ति के नारों एवं हाथों में लहराते तिरंगे से जैतारण का वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर नजर आया।

केबिनेट मंत्री ने कहा कि तिरंगा देश की आन-बान-शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान नागरिकों में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है।

- **ब्यावर में नगर परिषद की ओर से निकली रैली**

नगर परिषद ब्यावर की ओर से भी हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। नगर परिषद आयुक्त श्रीमती कीर्ति कुमावत के नेतृत्व में निकली रैली में नगर परिषद के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में शहरवासियों ने भाग लिया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। प्रतिभागियों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारों के साथ राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

दिवा में नया पुलिस स्टेशन चाहिए ही, लेकिन सुसज्जित अस्पताल का क्या? विकास इंगले का सवाल

- **छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का मामला लंबित; फिर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के मुद्दे पर ही राजनीति क्यों? – इंगले**

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/दिवा। दिवा शहर की बढ़ती आबादी और उसके साथ बढ़ती नागरिक समस्याओं को देखते हुए स्वतंत्र एवं सक्षम नए पुलिस स्टेशन की आवश्यकता है। यह बात विकास इंगले ने कही। हालांकि, केवल पुलिस स्टेशन की मांग करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दिवा में आम नागरिकों के लिए सुसज्जित सरकारी अस्पताल बनाने की दिशा में भी जनप्रतिनिधियों को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए, ऐसा उन्होंने कहा। दिवा में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस बल, सुविधाओं और कार्यक्षेत्र को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके साथ ही गंभीर चिकित्सा स्थिति में नागरिकों को ठाणे, कलवा या अन्य क्षेत्रों के अस्पतालों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में दिवा में बड़ा और आम नागरिकों की पहुंच में आने वाला सरकारी अस्पताल कब बनाया जाएगा, यह सवाल भी इंगले ने उठाया। इस बीच, छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करने का मुद्दा अभी भी लंबित है। ऐसे में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा के मुद्दे पर ही राजनीति करना कितना उचित है, यह सवाल भी उन्होंने उठाया। ''छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर किसी एक समाज तक सीमित नहीं हैं, बल्कि महाराष्ट्र सहित पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इसलिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक श्रेय लेने के लिए न करते हुए, उनके सम्मान को बनाए रखते हुए कानूनी और नियमानुसार कार्य पूरा करना जरूरी है,'' ऐसा इंगले ने कहा।

दिवा के नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए पुलिस स्टेशन, सुसज्जित अस्पताल तथा लंबित महापुरुषों की प्रतिमाओं के संबंध में ठोस निर्णय लेने की आवश्यकता है, ऐसा उन्होंने कहा।

''दिवा को राजनीति से ज्यादा मूलभूत सुविधाएं और विकास चाहिए,'' ऐसी भूमिका विकास इंगले ने रखी।

60 साल पुरानी दोस्ती अब बनेगी समाजसेवा की ताकत

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा। बड़ीसादड़ी छह दशक पहले स्कूल की कक्षाओं में साथ पढ़ने वाले मित्रों की दोस्ती आज भी उतनी ही मजबूत है। उम्र के इस पड़ाव पर पहुंचने के बाद भी मित्रता का यह रिश्ता समाजसेवा की नई मिसाल कायम करने की ओर बढ़ रहा है। बड़ीसादड़ी के विभिन्न विद्यालयों में साथ पढ़े 40 से अधिक मित्रों ने मिलकर 'स्कूल फ्रेंड बड़ीसादड़ी' संगठन बनाया है। संगठन अब ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों, खिलाड़ियों और जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने के साथ उनकी मदद के लिए भी आगे आएगा।

संगठन के प्रतिनिधि शांतिलाल मेनारिया एवं गोपाल सिंह झाला रविवार को राजकीय विद्यालय देवदा पहुंचे और विद्यालय की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। विद्यालय स्टाफ ने भामाशाह एवं समाजसेवी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालय परिसर की सघन हरियाली, स्वच्छता, सुन्दरता एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। सरकारी विद्यालय में बेहतर वातावरण और विद्यार्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए उन्होंने ग्रामवासियों एवं विद्यालय स्टाफ को धन्यवाद दिया।

15 अगस्त को प्रतिभाओं का होगा सम्मान

दो दिवसीय रजत जयन्ती कार्यक्रम समारोहपूर्वक सम्पन्न

संपर्क संस्थान के राष्ट्रीय रजत जयंती महोत्सव में काव्यमय हुआ माहौल

चमकता राजस्थान

मरुधरा की पावन धरा से मैं प्रकृति का खूबसूरत तोहफा हूं... काव्य पंक्तियों से गूँजा सभागार।

अविनाश शर्मा/मदनगंज-किशनगढ़। सामाजिक सरोकार, साहित्य, शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके संपर्क संस्थान के दो दिवसीय राष्ट्रीय रजत जयंती महोत्सव में रविवार को अग्रसेन विहार, में देश के विभिन्न कोने से आई कवित्रियों ने एक से बढ़कर एक रचनाएं सुनाई ।

कार्यक्रम के संयोजक, हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान जयपुर राजस्थान के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला शुक्ला ने बताया कि शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि भानु प्रताप गुर्जर, उपनिदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग अजमेर ने ने कहा कि वर्ष 2001 में किशनगढ़ से शुरू हुआ संपर्क संस्थान का सफर आज देश के अनेक हिस्सों तक पहुंच कर रजत जयंती महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है, जो कि संस्थान के लिए गर्व का विषय है । उन्होंने संपर्क संस्थान से जुड़े पदाधिकारियों व सदस्यों की बालिका शिक्षा, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी तरह से सामाजिक सरोकार रखने वाले संस्थान अपनी अलग पहचान रखते हैं।

कार्यक्रम में श्री अग्रवाल समाज संस्था के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने संपर्क संस्थान को रजत जयंती महोत्सव को लेकर शुभकामनाएं देते हुए सेवा क्षेत्र में आगे से आगे बढ़ने की उम्मीद जताई ।

वहीं श्री अग्रवाल समाज संस्था महामंत्री प्रदीप अग्रवाल ने संपर्क संस्थान को सेवा, संस्कार का पर्याय बतलाते हुए कहा कि दया, करुणा, मानवता व सामाजिक सरोकार की भावना रखने के चलते ही संपर्क संस्थान आज अपना रजत जयंती महोत्सव मना रहा है। उन्होंने संस्थान अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार अनिल लड्ढा व सुनीता लड्ढा को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि इन्हीं सेवा कार्यों के मध्यनजर संस्थान भविष्य में और अधिक नए मुकाम तय करेगा ।

वरिष्ठ साहित्यकार सतीश कुमार ने भी संस्थान के सेवा कार्यों को जनहित के लिए उपयोगी बताते हुए संस्थान की सफलता की कामना की ।

छात्रों की गूंज

प्रयागराज में छात्रों के बीच सरकार पर बरसे राहुल गांधी

सोशल मीडिया और इंटरनेट 21वीं सदी का नशा, आपको फंसाया जा रहा है : राहुल गांधी

भारत में रोजगार के सभी दरवाजे बंद हो गए हैं : राहुल गांधी

प्रयागराज के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने भारत के 40 करोड़ युवाओं को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताया, लेकिन साथ ही कहा कि रोजगार के बिना शिक्षा प्रमाण पत्रों का कोई महत्व नहीं है और रोजगार के दरवाजे बंद हैं। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वह भारत के युवाओं की चिंताओं और आकांक्षाओं के बारे में बात करेंगे। गांधी ने कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा मैं हर हिंदुस्तान के नागरिक, हर यूथ की बात कर रहा हूं. मैं इंडिविजुअल्स की बात कर रहा हूं. आप सब में इंटेलिजेंस है, इमेजिनेशन है, कैपेसिटी है.अगर ये देश आगे बढ़ेगा, तो आपके बल पर, आपकी स्ट्रेंथ पर ही इस देश का फ्यूचर बनेगा. हिंदुस्तान के पास सबसे बड़ा दुनिया में सबसे बड़ा यूथ का पॉपुलेशन है. 40 करोड़ युवा, आप जैसे युवा एनर्जेटिक युवा इस देश में रहते हैं. ये इस देश की स्ट्रेंथ है. चीन की बात होती है, अमेरिका की बात होती है, रशिया की बात होती है, इंडिया के यूथ के सामने, इंडिया के यूथ पोटेंशियल के सामने ये सब लोग कुछ नहीं है.21वीं सदी में अगर देश प्रगति करता है तो दो चीजों के बल पर करता है झ यूथ पोटेंशियल, जो आप में है और डेटा जो आप क्रिएट करते हो. सबसे ज्यादा, दुनिया में सबसे ज्यादा डेटा हिंदुस्तान में है. एक गीगाबाइट डेटा प्रति भारतीय प्रतिदिन इस्तेमाल करता है. तो डेटा और आपके पोटेंशियल पे होगा. युवा प्लस डेटा इज़ इक्वल टू ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी इकोनॉमी. आपके डेटा के बिना एआई का कोई मतलब नहीं है. अगर एआई बनता है, तो आपके डेटा के बेसिस पे बनता है. 20वीं सदी में पेट्रोल और पेट्रोल इंजन देश को बनाता था. अगर 20वीं सदी में मैं आपके पास आता और आपसे कहता, देखिए मैं आपको पेट्रोल इंजन दे रहा हूं. मगर आपको पेट्रोल नहीं दूंगा. आप मुझे कहते इस पेट्रोल इंजन से मेरा कुछ नहीं होने वाला है. वैसे ही 21वीं सदी में डेटा से ही एआई बनता है. डेटा से आप एआई बना सकते हो. मगर एआई से आप डेटा पैदा नहीं करते हो कर सकते हो. और ये डेटा हिंदुस्तान का है और आपका है. आप इसको क्रिएट करते हो. ये आप बनाते हो, ये आपका इमेजिनेशन है. ये हिंदुस्तान की पूंजी है, स्ट्रेंथ है, एसेट है. डेटा आपका, यूथ पोटेंशियल आपका. आपको चक्रव्यू में फंसा रखा है. आपके परिवारों से, आपके जेब से पैसा छीना जाता है, लाखों करोड़ रुपए लिए जाते हैं और फिर आपको एक सर्टिफिकेट दिया जाता है. आपको कहा जाता है कि हां आपको एजुकेशन सर्टिफिकेट मिल गया, बीए मिल गया, एमए मिल गया, एमएससी मिल गया. मगर इस सर्टिफिकेट का कोई मतलब नहीं है आज हिंदुस्तान में क्योंकि यह सर्टिफिकेट आपको रोजगार नहीं दे सकता है. सर्टिफिकेट हिंदुस्तान में आपको रोजगार नहीं देता है. आंकड़ा मैं आपको देता हूं. हजार में से, हजार युवाओं में से सिर्फ 12 युवाओं को पर्मानेंट नौकरी मिलती है. जहां तक डेटा की बात है, आपका डेटा छीन लिया जाता है. बड़ी-बड़ी कंपनीज को आपका डेटा दिया जाता है.

शिक्षा के नाम पर लूट और बेरोजगारी का कड़वा सच

शिक्षा और रोजगार के मुद्दे पर सिस्टम को घेरते हुए राहुल गांधी ने कड़वी सच्चाई सामने रखी. उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग, मेडिकल और पोस्ट ग्रेजुएट जैसी पढ़ाई के नाम पर परिवारों से लाखों-करोड़ों रुपए छीने जा रहे हैं, लेकिन ये महंगी डिग्रियां युवाओं को नौकरी नहीं दे रही हैं. राहुल ने चौंकाने वाला आंकड़ा देते हुए कहा कि आज 1000 में से सिर्फ 12 युवाओं को ही रोजगार मिल पा रहा है. उन्होंने मंच से बेबाकी से कहा, 'मैं कहता हूं कि आपको इस हिंदुस्तान में नौकरी नहीं मिल सकती.' इस दौरान उन्होंने स्क्रीन पर वीडियो चलाकर युवाओं की बुलंद आवाज भी सुनाई और मंच से अविनाश तथा अजय नाम के दो छात्रों से सीधा संवाद कर उनकी जमीनी समस्याएं जानीं.

डेटा, एआई और 21वीं सदी का नया नशा

राहुल गांधी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा के खेल पर बड़ा प्रहार किया. उन्होंने मंच से कहा कि आज के दौर में एआई का अपने आप में कोई मतलब नहीं है, क्योंकि एआई आपके डेटा से ही बनता है; एआई से डेटा नहीं बनाया जा सकता. राहुल ने डेटा को हिंदुस्तान की असली पूंजी और एसेट बताया. उन्होंने युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि आपका कीमती डेटा बड़ी-बड़ी कंपनियों को दिया जा रहा है और आपको एक चक्रव्यूह में फंसाया जा रहा है. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया और इंटरनेट के इस मायाजाल को '21वीं सदी का नशा' करार दिया.

युवाएं देश की ताकत- राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज प्रयागराज में एक बिल्कुल अलग 'पींक शर्ट' अवतार में नजर आए. यहां अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं में जोश भरते हुए भारत की असली ताकत का अहसास कराया. राहुल गांधी ने हुंकार भरते हुए कहा कि पूरी दुनिया में भारत के पास सबसे ज्यादा 40 करोड़ युवा हैं और इस प्रचंड यूथ शक्ति के सामने दुनिया का कोई भी देश कुछ भी नहीं है. 21वीं सदी में सच्ची देशभक्ति का जिक्र करते हुए राहुल ने एक नया नारा दिया और कहा कि आज के समय में 'युवा प्लस डेटा' ही 21वीं सदी की असली इकोनॉमी है.

खचाखच भरा केपी मैदान, छात्रों में काफी उत्साह

राहुल गांधी आज प्रयागराज में छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम गूंज के तहत मुलाकात करने पहुंचे. राहुल गांधी के पहुंचने से पहले ही पूरा केपी मैदान छात्रों और कांग्रेस नेताओं से खचाखच भर गया था. छात्रों में राहुल गांधी से संवाद को लेकर खासा उत्साह दिखाई दे रहा था . कांग्रेस के नेता भी राहुल गांधी के इस दौर से बेहद उत्साहित नजर आए ।

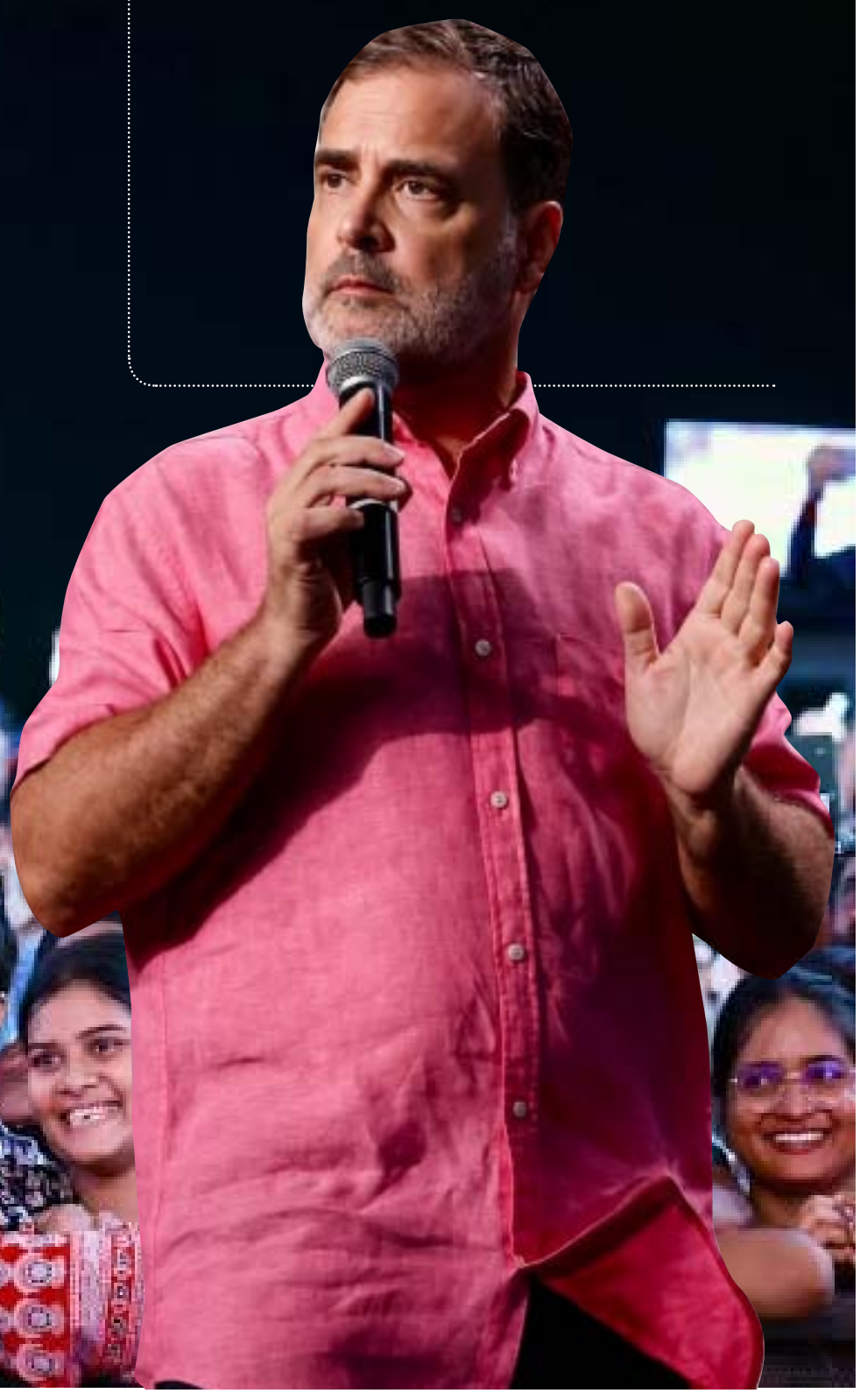

सोयाबीन की कृषि कार्यमाला

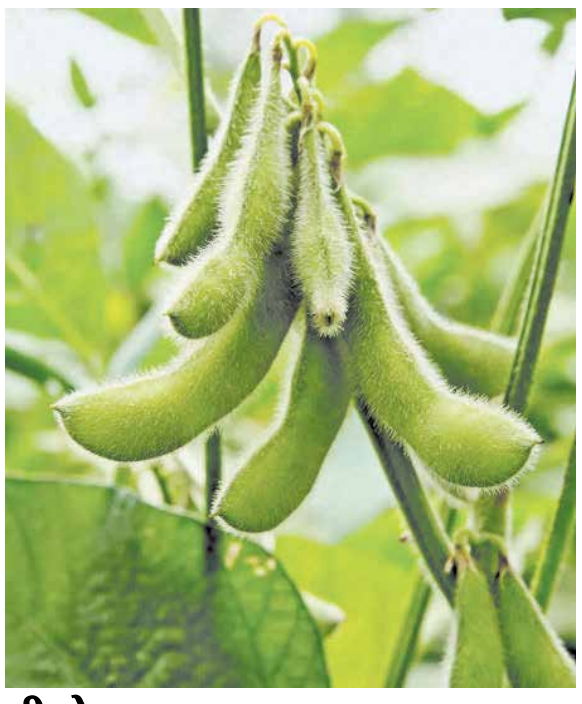

बीजोपचार

बीज को फफूंदनाशक दवा थायरम 75 डब्ल्यू.पी. एवं कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यू.पी. दवा को 2:1 के अनुपात में मिलाकर 3 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें या थायरम 37 प्रतिशत + कार्बाक्सिन 37 प्रतिशत, 2 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से या ट्राइकोडर्मा नामक जैविक फफूंदनाशक की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित कर सकते हैं।

उर्वरक एवं खाद

सामान्यतः 40 कि.ग्रा. यूरिया, 375 कि.ग्रा. फास्फोरस एवं 70 कि.ग्रा. पोटाश की मात्रा का उपयोग करें।

बुवाई का तरीका

कतार से कतार की दूरी 45 से.मी. हो । कम ऊंचाई वाली जातियों या कम फैलने वाली जातियों को 30 से.मी. की कतार से कतार की दूरी पर बोयें। बुवाई का कार्य दुफन, तिफन या सीडड्रिल से ही करें।

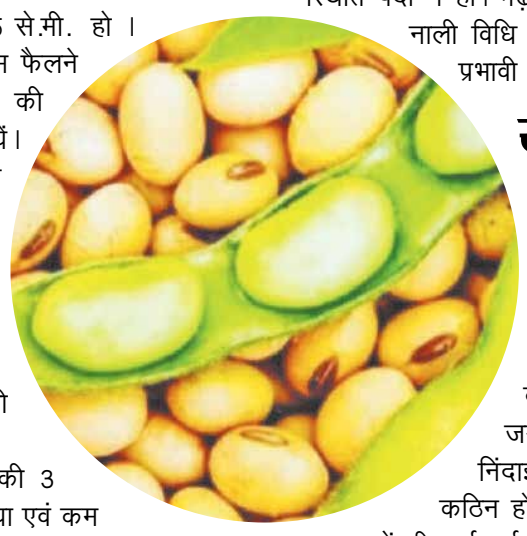

मेढ़– नाली विधि एवं चौड़ी पट्टी–नाली विधि से बुवाई करने से सोयाबीन की पैदावार में वृद्धि पायी गयी है। एवं नमी संरक्षण तथा जल निकास में भी प्रभावी पायी गयी है।

अधिक फैलने वाली जातियों की 3 से 4 लाख के आसपास पौध संख्या एवं कम फैलने वाली जातियों की 4 से 6 लाख पौध संख्या प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होती है।

सामान्य तरीके से बुवाई के बाद 20–20 मीटर की दूरी पर ढाल के अनुरूप जल निकास नालियाँ अवश्य बनायें, जिससे अधिक वर्षा की स्थिति में जल भराव की स्थिति पैदा न हो। मेढ़–नाली विधि एवं चौड़ी पट्टी–नाली विधि की बुवाई, जल निकास में भी प्रभावी पायी गयी हैं।

खरपतवार नियंत्रण

20–25 दिन में फसल से खरपतवार निकाल दें। मजदूरों द्वारा हाथ से निंदाई करवाने के परिणाम अच्छे मिले हैं। परंतु मजदूरों की कमी, वर्षा का अंतराल एवं जमीन की स्थिति से हाथ की निंदाई खरीफ मौसम में कभी–कभी कठिन हो जाती है अतः यांत्रिक विधियों में सी.आई.ए.ई. भोपाल द्वारा निर्मित उन्नत हैंड हो या बैलों से चलने वाला कुल्पा या डोरा से भी नींदा नियंत्रण कर सकते हैं। आवश्यकतानुसार रसायनिक नींदानाशकों का उपयोग भी करें।

लाभकारी अंतरवर्तीय फसलें

सोयाबीन+मक्का (चार कतारः दो कतार)
या सोयाबीन+अरहर (चार कतार : दो कतार)
या सोयाबीन+ज्वार (चार कतार : दो कतार)
या सोयाबीन + कपास (चार कतार : एक कतार)

लाभकारी फसल चक्र

सोयाबीन गेहूं, सोयाबीन–अलसी, सोयाबीन – चना, सोयाबीन – आर्किल मटर

कटाई,गहाई एवं भंडारण

फसल की कटाई तब करें जब 95 प्रतिशत फलियां भूरी पड़ जायें और पत्तियाँ झड़ जायें।

खरपतवारों से सुरक्षा

बोनी से पूर्व

फ्लूक्लोरोलिन 45 ई.सी.की 1–1.5 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव प्रति हे. बोनी से पूर्व नम मिट्टी में छिड़क दें।

बोनी से बाद अंकुरण से पूर्व

डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू. डी.जी. 22 ग्रा. क्रियाशील अवयव प्रति हे. या एलाक्लोर 50 ई.सी.का 2 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या पेन्डिमिथालिन ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या एसिटाक्लोर 90 ई.सी. 2 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या मेटलाक्लोर 50 ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव या क्लोमेजोन 50 ई.सी. 1 कि.ग्रा. क्रियाशील अवयव, प्रति हे. के हिसाब से बोनी के बाद एवं अंकुरण के पूर्व छिड़काव करने से खरपतवार नियंत्रण सफलतापूर्वक किया जा सकता है।

बोनी के बाद

सोयाबीन की बोनी के 15–20 दिन के बीच खड़ी फसल में इमेजाथायपर नामक दवा का 75 ग्राम क्रियाशील अवयव प्रति हे. छिड़कने से सभी प्रकार के खरपतवार का नियंत्रण सफलतापूर्वक किया जा सकता है। जहां पर केवल संकरी पत्ती के नींदा हों वहां क्विजालोफाप इथिल 50 ग्राम क्रियाशील अवयव या फेनोक्साप्राप 10 ई.सी. 75 ग्राम क्रियाशील अवयव प्रति हेक्टेयर का छिड़काव करें। इन दवाओं को 500–700 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव स्प्रेयर में फ्लड जेट नॉजल या फ्लैट फैन नॉजल लगाकर करें। भूमि में नमी रहने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

मोतियों सा चमके मक्का

मक्का फसल में अन्य खरीफ फसलों की तुलना में कुछ विशेषताएँ हैं। जैसेः

- मक्का की उत्पादकता वर्षा पर आधारित खेतों में भी अत्यधिक है।
- कतार से कतार दूरी अधिक होने के कारण अन्तरवर्तीय फसल से अतिरिक्त लाभ।
- अन्तरण अधिक होने से खरपतवार नियंत्रण का खर्च सीमित।
- बीज लागत व्यय प्रति हेक्टेयर अत्यधिक कम (200 रुपये/हे.)।
- अनाज के साथ चारे की प्राप्ति।
- आवश्यकता पड़ने पर हरे चारे के रूप में उपयोग।
- समयानुसार हरे भुट्टे को बेचकर आय की प्राप्ति।
- सोयाबीन की अपेक्षा कीट एवं रोगों का कम प्रकोप।

भूमि का चुनाव

मध्यम से भारी भूमि जिसमें जल निकास अच्छा हो सबसे उपयुक्त होती है।

खेत की तैयारी

गर्मी में गहरी जुताई करके बाद में दो तीन जुताई बखर से करके भूमि को भुर भुरी बना लें। साथ ही पाटा लगाकर भूमि को समतल कर लें। पानी के भराव वाले क्षेत्रों में 5–10 मीटर के अन्तर पर निकास नालियां बनाना चाहिये जिससे पानी शीघ्रता से निकल सके।

जातियां

जवाहर मक्का–8, जवाहर मक्का–12, संकर– किरण, कंचन, संकुल–जवाहर मक्का–216, नवजोत, संकर–डेक्कन–109, पूसा हायब्रिड–1, प्रभात संकर–गंगा–11, डेक्कन–105

बीज की मात्रा

16–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज डालें, बीज की मात्रा फसल अवधि के आधार पर कम या ज्यादा हो सकती है।

बुवाई का समय

वर्षा आधारित खेती में मानसून के प्रारम्भ होते ही मक्का की बौवनी करें। जहां सिंचाई उपलब्ध हो तो मनसून के समय से 20 दिन पूर्व भी बुवाई की जा सकती है।

बीज उपचार

बीज में 2 ग्राम थायरम + 1 ग्राम कार्बेन्डाजिम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करें। थायरम से उपचारित करने के बाद बीज को 5 ग्राम ऐजेटोबेक्टर + 5 ग्राम पी.एस.बी. कल्चर से उपचारित करने के बाद शीघ्र करने से उत्पादन में बृद्धि होती है।

बुवाई की विधि

हाथ से बुवाई करना सबसे अच्छा है। एक स्थान पर दो बीज डालें। बीज को 3–5 से.मी. की गहराई पर बोयें

पौध विरलन

यह क्रिया मक्का फसल के लिये अति आवश्यक है। क्योंकि वांछित पौध संख्या न होने के कारण उत्पादन में भारी कमी आती है। पौध विरलन का कार्य बुवाई के 15–20 दिनों के बाद हल्की वर्षा के समय करें। पौधे अंतरण 20–25 से.मी. रखते हुए कमजोर पौधे को उखाड़े। एक स्थान पर एक ही पौधे को रखें। खाली स्थान पर पौधों की रोपाई करें।

खाद

अच्छी पकी हुई गोबर की खाद 8–10 टन प्रति हे. कतारों में देने से मक्का की फसल को अधिक लाभ होता है। रासायनिक खाद निम्न तालिका के अनुसार डालना चाहिये।

नत्रजन को तीन भागों में बांटकर एक भाग बुवाई के समय व दो भाग बुवाई के 25–30 दिन एवं 40–45 दिन पर दें। फास्फोरस व पोटाश की सम्पूर्ण मात्रा बुवाई के साथ दें। मक्का में 25 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर बुवाई के समय डालना आवश्यक है।

अंतर शस्य क्रिया

फसल 30–40 दिन तक नींदा रहित हों। इसके बुवाई के 20–25 दिन व 30–35 दिन पर डोरा चलायें। उक्त समय में ही मिट्टी चढ़ाने का कार्य भी पूर्ण कर लें।

रसायनिक नींदा नियंत्रण

मक्का फसल में अट्राजीन 1 किग्रा प्रति हे. बुवाई के बाद व अंकुरण के पूर्ण उपयोग करें।

कटाई एवं गहाई

भुट्टे जब कड़क व सूख जायें तब उनकी तुड़ाई करें चाहिए। भुट्टों को अच्छी तरह सुखाकर थ्रैसर से गहाई की जा सकती है। छोटे किसान भाई मेज सेलर से भी दाना निकाल सकते हैं।

उपज

उपरोक्त उत्पादन तकनीक अपनाकर किसान भाई 45–50 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

जनता और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु हैं, जन अभाव अभियोग समिति के सदस्य : मुख्यमंत्री

सेवा भाव से करें जन समस्याओं का निराकरण, 181 राजस्थान संपर्क बना शिकायत पहुंचाने का सशक्त माध्यम

चमकता राजस्थान

धौलपुर ब्यूरो चीफ – रामदास तरुण/धौलपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के सदस्य आमजन और प्रशासन के बीच मजबूत सेतु के रूप में कार्य करते हैं। वे जनता की समस्याओं को सुनकर उन्हें प्रशासन तक पहुंचाने के साथ ही समाधान की प्रक्रिया को गति देने तथा उसकी निगरानी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जिला स्तरीय समिति के सदस्यों से सेवा भाव के साथ सक्रियता से कार्य करने का आ''ान किया। मुख्यमंत्री शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न जिला स्तरीय जन अभाव अभियोग निराकरण समिति सदस्यों के धन्यवाद एवं आभार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समिति के सदस्य आमजन के जन अभाव और अभियोग का त्वरित समाधान कराने तथा सरकार की योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनता के लिए है, जनता के बीच है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर है। इसी सोच के साथ प्रदेश में जनसुनवाई की व्यवस्था को मजबूत बनाया गया

है। इसके माध्यम से महिला, युवा, किसान और गरीब की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका निराकरण किया जा रहा है। इससे राजस्थान में सुशासन का संकल्प साकार हो रहा है।

उन्होंने कहा कि 181 राजस्थान संपर्क अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति की शिकायत को राज्य सरकार तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। जून माह में करीब 4 लाख 97 हजार नई शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से करीब 4 लाख 90 हजार शिकायतों का निस्तारण किया गया। शिकायतों के निस्तारण की औसत अवधि घटकर केवल 12 दिन रह गई है। वहीं 181 राजस्थान संपर्क के माध्यम से जन समस्याओं की समग्र निस्तारण दर 99.17 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी संपर्क कॉल सेंटर पर जाकर आमजन की समस्याएं सुनते हैं, तथा उनके समाधान को सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय डिजिटल तकनीक का है। प्रदेश के आमजन वाट्सऐप के माध्यम से निवास, आय, जाति प्रमाण पत्र सहित अनेक सरकारी सेवाओं का घर बैठे लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल राजस्थान के माध्यम से सुशासन को अधिक सरल, पारदर्शी और नागरिक केंद्रित बनाया जा रहा है। सरकारी सेवाओं को तकनीक के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति तक सहजता से पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। विकसित राजस्थान का सपना शासन के पारदर्शी, प्रशासन के जवाबदेह होने और तकनीक के प्रभावी उपयोग से ही साकार होगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने संवाद कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के समिति सदस्यों से जन अभाव अभियोग निराकरण एवं सतर्कता समिति के माध्यम से समस्याओं के समाधान के उनके अनुभव जाने। साथ ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के सदस्यों से चर्चा की। इस अवसर पर विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद मदन राठौड़ सहित विभिन्न जिलों में गठित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। वहीं जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी.टी., अतिरिक्त जिला कलेक्टर हरिराम मीना सहित उपखंड समिति के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

संक्षिप्त समाचार

आगामी चुनाव को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

● विधायक दीपचंद खैरिया के नेतृत्व में विस्तार से हुई चर्चा

चमकता राजस्थान/कश्मीर सिंह/कोटकासिम । आगामी पंचायत और नगर निकाय चुनाव को लेकर किशनगढबास रोड पर स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर भवन में कोटकासिम ब्लॉक के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक बैठक विधायक दीपचंद खेरिया के नेतृत्व में आयोजित की गई। विधायक खैरिया के निजी सहायक सुनील कान्त गोल्डी ने बताया कि कोटकासिम के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की संगठन की मजबूती और आगामी चुनावो की तैयारी को गति देने के लिए एक विशेष बैठक का आयोजन विधायक दीपचंद खेरिया के नेतृत्व ब्लॉक अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर की अध्यक्षता व खैरथल-तिजारा जिला के सह-प्रभारी पुष्पेंद्र धाभाई एवं किशनगढ़ बास विधानसभा प्रभारी देव कसाना की मौजूदगी में किया गया। इस मौके पर ब्लॉक के विभिन्न गांव से आए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने सुझाव रखें। इस मौके पर विधायक दीपचंद खेरिया वह प्रभारी पुष्पेंद्र धाबाई एवं देव कसाना, कोटकासिम प्रधान व महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष डॉ विनोद कुमारी सांगवान, पीसीसी महासचिव अजीत यादव, एडवोकेट वीरनारायण यादव, किसान नेता जसवंत यादव, ऐसी विभाग के जिला अध्यक्ष भूपेश लहकरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले नगर निकाय चुनाव व पंचायती राज चुनाव में पार्टी द्वारा सर्वे के आधार पर टिकटों का वितरण किया जाएगा साथ ही कहा कि पार्टी कार्यकर्ता आज से ही चुनावो की तैयारी में जुट जाए। चुनाव का समय नजदीक आ चुका है इसलिए सभी कांग्रेसी कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्य करें। इस मौके पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष कोटकासिम चंदू सैनी, हरसोली मंडल अध्यक्ष दीपक चौधरी, पूर्व सरपंच रतीराम भोजराजका, कोटकासिम सरपंच संघ अध्यक्ष कुलदीप ग्वाला, पूर्व सरपंच अशोक कुमार जाटूवास, जकोपुर सरपंच राजू

बहलोड में निःशुल्क नेत्र शिविर, 160 मरीजों की जांच

चमकता राजस्थान/ जयपुर संवाददाता/बहलोड। ग्राम पंचायत बहलोड स्थित निःशुल्क डॉ. भीमराव अंबेडकर लाइब्रेरी में रविवार को भारत पथिक संस्थान एवं निदान सेवा संस्थान के तत्वावधान में जयपुर कैलिगिरी आई हॉस्पिटल की ओर से निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। चिकित्सकों ने 160 मरीजों की आंखों की जांच कर उपचार एवं आवश्यक परामर्श दिया।आयोजक अशोक आजाद ने बताया कि जांच के बाद जरूरतमंद 30 मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि 25 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। इनमें ऑपरेशन की आवश्यकता वाले 10 मरीजों को जयपुर स्थित कैलिगिरी आई हॉस्पिटल के लिए रेफर किया गया। चिकित्सकों ने मरीजों को आंखों की बीमारियों से बचाव और उपचार संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी।

35 अतिथियों का माला-साफा पहनाकर सम्मान शिविर से पूर्व भारत पथिक संस्थान एवं निदान सेवा संस्थान के पदाधिकारियों तथा गणमान्य लोगों का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। सामाजिक क्षेत्र में योगदान एवं शिविर में सहयोग करने वाले करीब 35 अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। शिविर में भारत पथिक संस्थान के संस्थापक सुरेश चंद बिलोनिया, मदन धमोरा, हनुमान सहाय चौहान, रूपनारायण, रामधन चौहान, ताराचंद गुर्जर, भामाशाह सुगाराम मास्टर, डॉ. लाला आजाद, कविता आजाद, बंशी योगी, लालाराम अध्यापक सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार की सुविधा मिलने पर आयोजकों का आभार जताया।

हरियाली तीज महोत्सव में संस्कृति और महिला एकता का दिखा शानदार संगम

चमकता राजस्थान

धौलपुर ब्यूरो चीफ :रामदास तरुण। जिला अग्रवाल महिला संगठन, धौलपुर की ओर से शनिवार, 8 अगस्त 2026 को भार्गव वाटिका में हरियाली तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिले की विभिन्न इकाइयों से करीब 300 महिला सदस्यों ने सहभागिता की।सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजक गतिविधियों ने आयोजन को उत्साह और उमंग से भर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान अग्रसेन जी के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं आरती गायन के साथ हुआ। जिला अध्यक्ष सरोज मंगल ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों एवं मातृशक्ति का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है, जो महिलाओं के उत्साह और सामाजिक एकता को मजबूत करता है। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सरोज मंगल, जिला महामंत्री नीतू सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रियंका बंसल, उपाध्यक्ष मिथिलेश गर्ग, कोषाध्यक्ष पूनम मित्तल, रागिनी अग्रवाल, उर्मिला मंगल एवं संरक्षक रीता गोयल सहित जिले की मनोनीत पदाधिकारी एवं विभिन्न इकाइयों से पधारी महिला सदस्य उपस्थित रहीं। इस अवसर पर जिला महासमिति के महामंत्री महेश मंगल, कोठी इकाई अध्यक्ष राजीव सिंघल, शहर इकाई महामंत्री गौरव गोयल तथा कोठी इकाई महामंत्री मनोज अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। महेश मंगल ने महिलाओं को प्रेरणादायक उद्बोधन दिया, वहीं रागिनी अग्रवाल ने हरियाली तीज के अवसर पर उत्साहवर्धक विचार व्यक्त किए। महोत्सव में विभिन्न इकाइयों की ओर से नृत्य, गीत, कविता एवं विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और आनंद का वातावरण बना दिया। मनोरंजक प्रश्नोत्तरी में भी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. निरमा सिंघल ने किया। समापन पर जिला महामंत्री नीतू सिंघल ने सभी पदाधिकारियों, अतिथियों एवं मातृशक्ति का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से हरियाली तीज महोत्सव सफल एवं यादगार बन सका। यह आयोजन प्रेम, उमंग, संस्कृति, परंपरा और महिला एकता का सुंदर प्रतीक बनकर सामने आया और सभी के लिए मधुर स्मृतियां छोड़ गया।

विश्व आदिवासी दिवस पर रैली का भव्य स्वागत, जेसीबी से पुष्पवर्षा कर दिया सामाजिक सौहार्द का संदेश

चमकता राजस्थान

जालोर। ब्यूरो चीफ कयूम खान/फोटो साबिर सागर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जालोर शहर में निकाली गई आदिवासी समाज की रैली का सूरजपोल के बाहर सनातन धर्म प्रेमियों एवं सर्व समाज की ओर से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान जेसीबी मशीन के माध्यम से रैली में शामिल लोगों पर पुष्पवर्षा कर आदिवासी समाज के लोगों का तिलक लगाकर आत्मीय अभिनंदन किया गया।

रैली के सूरजपोल पहुंचने पर बड़ी संख्या में मौजूद सर्व समाज के लोगों ने उत्साह और उमंग के साथ आदिवासी समाज के लोगों का स्वागत किया। जेसीबी से की गई पुष्पवर्षा से रैली का माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। इस दौरान रैली में शामिल लोगों का तिलक लगाकर सम्मान किया गया तथा आपसी भाईचारे और सद्भावना का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर महेश भट्ट, रतन सुथार, खुशवंत नाग, शिवपाल सिंह राणावत, श्रवणसिंह चंपावत, रमेश मेघवाल, गौरव अग्रवाल, हनवंतसिंह चरण, सुशील माहेश्वरी, हरिसिंह चरण, लालसिंह चौहान, तरुण सिद्धावत, नितेश भटनागर, डूंगर देवासी, गणपतसिंह राठौड़, गोरखाराम गवारिया, हरिसिंह राव, दलपत गुर्जर, मोहब्बतसिंह उदावत, कृष्णपाल सिंह सामुजा, लखन बंजारा, नटवरसिंह बालावत सहित बड़ी संख्या में सनातन धर्म प्रेमी एवं सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

बौली में आदिवासी दिवस पर विधायक इंद्रा मीना ने दिया जल,जंगल, और जमीन बचाने का संदेश

चमकता राजस्थान/रिपोर्टर/सूरज मल वैष्णव/बौली। बौली में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बामनवास विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंदिरा मीणा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने पौधरोपण किया और 'जल, जंगल, जमीन' बचाने का संदेश दिया। विधायक इंदिरा मीणा ने कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण किया। उन्होंने पारंपरिक रूप से तीर-कमान चलाकर आदिवासी संस्कृति, जल, जंगल और जमीन के रक्षक होने का संदेश दिया। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विधायक ने बालिकाओं की शिक्षा पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज और देश के सर्वांगीण विकास के लिए बेटियों को शिक्षित करना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में उनके साथ बामनवास ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम मीणा, पूर्व एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पवन बड़गोत्या, धर्मेंद्र गुर्जर और शाहरुख सेलू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कांग्रेस मीडिया प्रभारी अमन खान ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने आदिवासी परंपराओं के संरक्षण का संकल्प लिया।

अज्ञात चोरों ने एक ही रात में कई मकानों और निजी कार्यालय के ताले तोड़कर की लाखों रुपए की चोरी और ज्वेलरी पार।

चमकता राजस्थान/सवाई माधोपुर। खंडार क्षेत्र के फलौदी टोडरा में बीती रात को 6 मकान, निजी कार्यालय, निजी विद्यालय एवं पोस्ट ऑफिस और एक बाइक को अज्ञात चोरों ने चोरी करके निशाना बनाया। वही फलोदी टोडरा स्थानीय निवासी महेश तिलकर ने बताया कि बीती रात को अज्ञात चोरों ने गांव में कई मकानों में चोरी की और कहीं निजी कार्यालय और निजी स्कूल में ताले तोड़कर लाखों रुपए, ज्वेलरी, और एक बाइक चोर चुरा कर ले गए। ग्रामीणों को दूसरे दिन जब सुबह घटना का पता लगा। वहीं स्थानीय लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया। वही फलोदी टोडरा के थाना रवाजना डूंगर थाने में ग्रामीण लोगों ने चोरी की वारदात की सूचना दी। ग्रामीणों की मांग की चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर माल बरामद किया जावे।

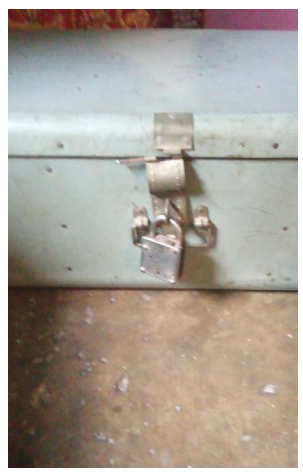

12 अगस्त को बाड़ी में निकलेगी विशाल तिरंगा यात्रा, राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगेगा शहर

चमकता राजस्थान

धौलपुर ब्यूरो चीफ : रामदास तरुण/बाड़ी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 से 17 अगस्त 2026 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 12 अगस्त को प्रातः 10 बजे बाड़ी में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा श्री कैला माता मंदिर से शुरू होकर शहर के प्रमुख बाजारों एवं मुख्य मार्गों से होती हुई गांधी पार्क पहुंचेगी, जहां इसका समापन होगा। यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सरवन वर्मा, नगर अध्यक्ष वंदना शिवहरे, जिला पदाधिकारी, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में शहरवासी हाथों में तिरंगा लेकर शामिल होंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भावना को मजबूत करने वाला अभियान है। उन्होंने आमजन से यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे भव्य बनाने का आ''ान किया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सरवन वर्मा ने कहा कि तिरंगा हमारे गौरव, स्वाभिमान और देश की एकता का प्रतीक है। नगर अध्यक्ष वंदना शिवहरे ने भी बाड़ीवासियों से उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील की। बैठक में संत रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर प्रस्तावित कलश यात्रा के जिले में आगमन की तैयारियों तथा आगामी नगर निकाय चुनावों को लेकर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई। जन अभाव अभियोग निराकरण समिति में मनोनीत वंदना शिवहरे, अनिल गोयल, दिनेश मामा एवं गयाप्रसाद कुशवाह को शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया गया।

बैठक का धन्यवाद तिरंगा यात्रा संयोजक रामकुमार कुशवाहा ने दिया। इस दौरान अनिल गोयल, बांकेलाल लोधा सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तिरंगा यात्रा : 12 अगस्त, प्रातः 10 बजे

प्रारंभ : श्री कैला माता मंदिर, बाड़ी

समापन : गांधी पार्क

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929